



विश्व के सरी

सिर्फ पत्रकारिता...

@ प्रदेश उन्नति हुड्डा की जीत से शानदार आगाज...

@ विचार लगन की पैनी धार और मुस्कराती मंजिलें...

@ व्यापार वित्त वर्ष 2026 में सामान्य बीमा उद्योग 9 प्रतिशत...

साक्षिप्त खबर

पाक सुप्रीम कोर्ट बोला-इमरान को 2 दिन में अस्पताल भेजें

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल भेजने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि इमरान को 48 घंटे में शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ट्रांसफर किया जाए। उनकी सेहत की जांच और इलाज के लिए मेडिकल बोर्ड भी बनाया जाएगा। कोर्ट ने इमरान की बहनों से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाया। जस्टिस शाहिद वहीद ने कहा कि बहनों से मुलाकात कराना कोई एहसान नहीं, बल्कि उनका मौलिक अधिकार है। अदालत ने पिछले तीन साल में इमरान और उनकी बहनों के बीच हुई सभी मुलाकातों की जानकारी मांगी। इमरान के बेटों से उनकी बातचीत और काल डिटेल रिकॉर्ड की जानकारी भी देने को कहा गया है। इमरान खान 3 साल से जेल में हैं।

देवेंद्र महतो बोले- व्यापक सुधार का आंदोलन जारी रहेगा

एजेंसी ■ रांची झारखंड में जे एस एस सी-1 सीजीएल समेत टीडीपीएल एजेंसी के माध्यम से आयोजित 14 भर्ती परीक्षाओं को रद्द किए जाने के फैसले को आंदोलनकारी छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आंदोलन की पहली बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा है कि परीक्षा रद्द होना संघर्ष का अंतिम पड़ाव नहीं है और भर्ती व्यवस्था में व्यापक सुधार होने तक आंदोलन जारी रहेगा। देवेंद्र नाथ महतो ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जन परीक्षाओं में गड़बड़ी और धांधली के आरोप सामने आए थे, उन्हें रद्द किया जाना छात्रों के लंबे संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी एक परीक्षा को रद्द कराना नहीं, बल्कि झारखंड की पूरी भर्ती और परीक्षा व्यवस्था को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी बनाना है।

महाराष्ट्र में रक्षा बंधन से 'धर्म स्वतंत्रता कानून' प्रभाव में

मुंबई। महाराष्ट्र की देवेंद्र फ डणवी सरकार ने राज्य में महाराष्ट्र धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 2026 लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। गृह विभाग से 17 अगस्त को जारी नोटिफिकेशन के अनुसार यह कानून 28 अगस्त 2026 से प्रभावी हो जाएगा। राज्य सरकार ने अधिनियम की धारा 1(2) के तहत अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसके लागू होने की तारीख निर्धारित की है। सरकार के अनुसार, इस कानून का उद्देश्य जबरदस्ती, दबाव, धोखे, प्रलोभन या अन्य अवैध तरीकों से धर्म परिवर्तन पर रोक लगाना है। नए प्रावधानों के तहत यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति का धर्म परिवर्तन कराने के लिए बल, छल या लालच का सहारा लेता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रम्प ने होर्मुज को अमेरिका का नया इलाका बताया

ईरान का जवाब- ट्रम्प की गलतफहमी जल्द दूर हो जाएगी

एजेंसी ■ वॉशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बताते हुए सोशल मीडिया पर मैप पोस्ट किया है। ट्रम्प के पोस्ट के बाद ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबावादी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का हिस्सा बनाना सिर्फ एक गलतफहमी है। उन्होंने तर्ज कसते हुए कहा कि ट्रम्प को जल्द ही समझ आ जाएगा कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का कोई अधिकार नहीं है।

पोस्ट में ट्रम्प ने लिखा- नया अमेरिकी क्षेत्र

ट्रम्प ने टुथ सोशल पर एक ग्राफिक पोस्ट किया, जिसके ऊपर 'नया अमेरिकी क्षेत्र' लिखा था। इस मैप में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास का समुद्री इलाका दिखाया गया था। इसमें ईरान, ओमान और UAE के हिस्से भी नजर आ रहे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर यह मैप शेयर किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर यह मैप शेयर किया।

ट्रम्प के कहने होर्मुज अमेरिका का हिस्सा हो जाएगा ?

सीधा जवाब है- नहीं। होर्मुज स्ट्रेट ईरान और ओमान के बीच



स्थित एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ता है। इस रास्ते से दुनिया के कई देशों के तेल और गैस से भरे जहाज गुजरते हैं। इसलिए इस पर सिर्फ किसी एक देश का अधिकार नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सभी देशों के जहाजों को इस रास्ते से आने-जाने का अधिकार है। इसी वजह से कोई भी देश सिर्फ अपने दम पर इस समुद्री मार्ग पर कब्जे का दावा नहीं कर सकता। इसलिए ट्रम्प का मैप एक राजनीतिक दावा या मैसैज माना जा सकता है, लेकिन इससे अमेरिका को होर्मुज स्ट्रेट पर अपने आप कोई नया कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता।

होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार है ?

होर्मुज स्ट्रेट पर किसका अधिकार है ?

होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके।

होर्मुज स्ट्रेट इतना अहम क्यों है ?

खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20% कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस

की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है। फरवरी में अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने से पहले हर दिन करीब 2 करोड़ बैरल तेल इस रास्ते से होकर गुजरता था। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की एनर्जी सप्लाई काफी हद तक इसी रास्ते पर निर्भर है। इसी वजह से अमेरिका चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही जल्द से जल्द सामान्य हो। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी नौसैनिक नाकाबंदी नहीं हटाता और समझौते में किए गए वादे पूरे नहीं करता, तब तक यह रास्ता नहीं खोला जाएगा।

ईरानी मंत्री ने ट्रम्प को पुराना बयान याद दिलाया

ईरान के उप विदेश मंत्री गरीबावादी ने ट्रम्प को उनके पुराने बयान की भी याद दिलाई। दरअसल, कुछ महीने पहले ट्रम्प ने 'फारस की खाड़ी' का नाम बदलकर 'अरब की खाड़ी' कहने का सुझाव दिया था। इस पर ईरान ने कड़ी आपत्ति जताई थी और कहा था कि यह नाम संदियों से 'फारस की खाड़ी' ही है। अब ट्रम्प ने अपने पोस्ट में 'फारस की खाड़ी' शब्द का इस्तेमाल किया।

टीडीपीएल के मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी की पत्नी और भाई गिरफ्तार

जेपीएससी-जेएसएससी फर्जीवाड़ा मामला

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित फर्जीवाड़े की जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए परीक्षा एजेंसी टीडीपीएल के मार्केटिंग मैनेजर अभय तिवारी की पत्नी और सगे भाई को गिरफ्तार किया। अभय तिवारी को सीआईडी इस मामले में पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और वह फिलहाल जेल में है।

जांच एजेंसी के अनुसार, उसकी पत्नी और भाई पर झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा में कथित तौर पर अनुचित साधनों का इस्तेमाल कर सफलता हासिल करने का आरोप है। सीआईडी के अनुसार, जांच के दौरान सामने आए डिजिटल साक्ष्यों और दस्तावेजों से अभय तिवारी की भूमिका को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोप है कि उसने टीडीपीएल



से जुड़े अपने प्रभाव और नेटवर्क का इस्तेमाल अपने भाई और पत्नी को परीक्षा में लाभ पहुंचाने के लिए किया। जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, अभय तिवारी से पूछताछ और उसके पास से जब्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डेटा के विश्लेषण के बाद उसकी पत्नी और भाई की भूमिका सामने आई। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। सीआईडी अब यह पता लगाने में जुटी है कि कथित परीक्षा फर्जीवाड़े के इस नेटवर्क से और कितने अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिला। जांच एजेंसी

डिजिटल उपकरणों से मिले डेटा, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का विश्लेषण कर रही है। बता दें कि अभय तिवारी ने पूछताछ के दौरान कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्न और उत्तर उपलब्ध कराए जाने का दावा किया था। सीआईडी इस दावे से जुड़े तथ्यों और इसमें शामिल अन्य लोगों की भूमिका को भी जांच कर रही है गिरफ्तार दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसी आवश्यकता के अनुसार उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ भी कर सकती है।

हॉकी वर्ल्ड कप : भारतीय महिला टीम ने 6-1 से दर्ज की पहली जीत

एजेंसी ■ एमस्टेलवीन

एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ अफ्रीका पर 6-1 से शानदार जीत हासिल करते हुए 'पूल-डी' में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। यह मुकाबला मंगलवार को एमस्टेलवीन के वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेला



गया। इस शानदार जीत के साथ भारत टूर्नामेंट में अजेय बना हुआ है।

इससे पहले भारत ने 2024 ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट चीन के साथ 2-2 से ड्रा खेला था, जिससे दो मैचों में उनके चार अंक हो गए हैं और गोल अंतर के आधार पर भारत अभी पूल में सबसे आगे है। भारत 20 अगस्त को इंग्लैंड के खिलाफ अपना अभियान खत्म करेगा।

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन को एसीबी ने किया गिरफ्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टैंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने मंगलवार को दिल्ली की केजरीवाल सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें तत्कालीन डीजेबी सीईओ और आईएसएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, बोर्ड के पूर्व सचिवा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, एएन एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर नार्गेद यादव, यूरोटेक एनवायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजा कुमार कुरी और सुजनहार के प्रोपराइटर पंकज वर्मा शामिल हैं।

सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ा

एसीबी के प्रमुख संयुक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह के मुताबिक, मामला एसटीपी के उन्नयन और क्षमता बढ़ाने के लिए जारी टैंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता, टेंडर शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि टैंडर में ऐसी तकनीकी शर्तें शामिल की गईं, जिनसे एक खास तकनीक और



उसके प्रदाता यूरोटेक को तौर पर फायदा हुआ। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ा। एसीबी ने इस मामले में 11 मई 2024 को एफआईआर दर्ज की थी। इसमें भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के साथ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश की धाराएं लगाई गई हैं। एजेंसी का दावा है कि मामले में पैसों के पूरे लेन-देन और अपराध से अर्जित रकम की जांच जारी है।

ई-मेल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से खुला खेल

जांच एजेंसी का दावा है कि निजी पक्षों और सरकारी अधिकारियों के बीच लगातार संपर्क था। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण में प्रतिबंधात्मक टेंडर शर्तों, कॉरिजेंडम और अन्य दस्तावेजों के आदान-प्रदान की बात सामने आई है।

एनटीए में बदलाव : 600 विशेषज्ञ हटे, नई टीम की होगी एंट्री

नए दफ्तर और चार स्तरीय जांच से बदलेगा सिस्टम ?

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की परीक्षा व्यवस्था में सरकार ने बड़े बदलावों की घोषणा की है। नई व्यवस्था के तहत प्रश्नपत्रों की जांच के लिए चार स्तरीय प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसके अलावा एनटीए की परीक्षा टीम में बदलाव करते हुए 600 विशेषज्ञों को हटाया गया है और नए विशेषज्ञों को शामिल किया जा रहा है। एनटीए के कार्यालयों को नए परिसरों में स्थानांतरित कर वहां सीआईएसएफ की सुरक्षा भी बढ़ाई जाएगी।

एनटीए की परीक्षा व्यवस्था में क्या बड़े बदलाव किए गए ?

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, परीक्षा तहत 600 विशेषज्ञों को हटाया गया और उनकी जगह नए विशेषज्ञों को जोड़ा जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, यह बदलाव परीक्षा सुचारु संचालन के लिए जरूरी सुरक्षा और बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल



में यूजीसी नेट परीक्षा के प्रश्नपत्रों को लेकर गड़बड़ियों और इससे पहले नीट-यूजी मेडिकल प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक को लेकर एनटीए पर सवाल उठे थे।

एनटीए की परीक्षा टीम में कितने विशेषज्ञ बदले गए ?

शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि एनटीए की परीक्षा टीम में बदलाव किया गया है। इसके तहत 600 विशेषज्ञों को हटाया गया और उनकी जगह नए विशेषज्ञों को जोड़ा जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, यह बदलाव परीक्षा सुचारु संचालन के लिए जरूरी सुरक्षा और बुनियादी ढांचा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल

टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने ऋषभ पंत

एजेंसी ■ गाले

ऋषभ पंत ने इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। पंत ने मंगलवार को गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन यह उपलब्धि हासिल की। मैच में आने से पहले, पंत के नाम 97 छक्के थे। उन्होंने पहली पारी में बनाए 39 रन के दौरान 1 छक्का लगाया था। वहीं, दूसरी पारी में 66 रन बनाने के दौरान दो छक्के लगाकर टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की।

पंत ने लाहिरू कुमारा की गेंद पर डीप फाइन लेग पर छक्का मारकर अपना 100वां छक्का पूरा किया। इस शॉट से उन्होंने 53 गेंदों पर अपना पचासवां रन भी पूरा किया।

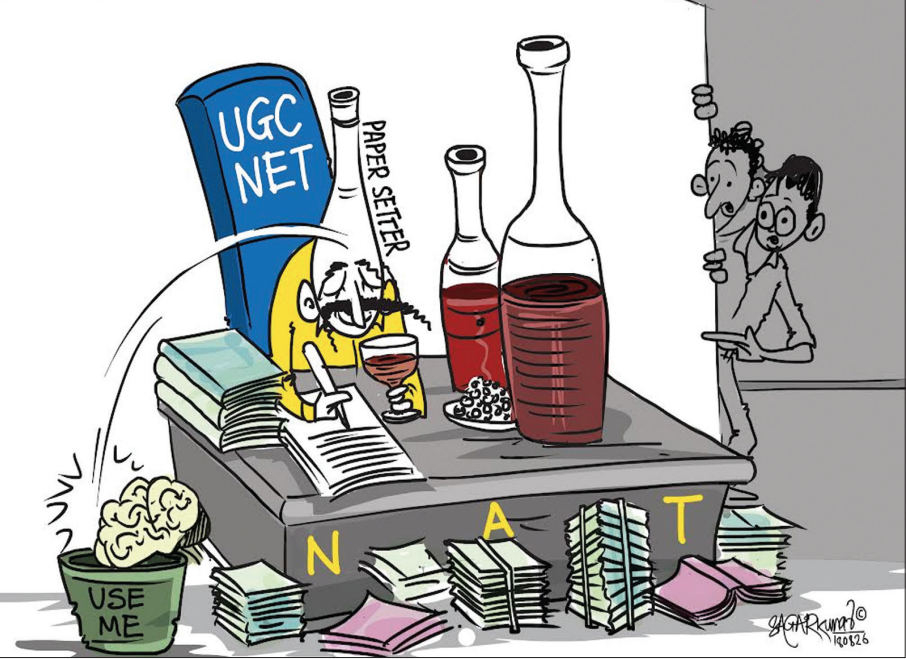
पंत टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर हैं। वहीं, ओवर ऑल टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) नंबर नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-



बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने भी टेस्ट में 100 छक्के लगाए हैं। वहीं, ओवर ऑल टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) नंबर नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-

तीर तेवर

सागर कुमार



एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर दायर याचिकाओं पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने साफ कहा कि गंभीर आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों को छोड़कर बाकी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाए।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई की। एक याचिका में मांग की गई है कि जंतर-मंतर की जगह धरना-प्रदर्शन के लिए कोई और जगह तय की जाए।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जिन प्रदर्शनकारियों के आपराधिक रिकॉर्ड में हत्या, रेप, पोक्सो जैसे गंभीर अपराध के मुकदमे हैं, उन्हें छोड़कर बाकी के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने

जंतर-मंतर के प्रदर्शन से जुड़ा मामला

भी इस बात से सहमत जताई।

सीजेआई ने कहा कि जहां तक छात्रों की बात है, वे शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट में हिस्सा ले रहे थे। उनका मकसद कुछ मुद्दों पर कानूनी और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना था। हम शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि आदतन आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों की ही जांच होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पुलिस ने अब तक 2873 ऐसे लोगों की पहचान की है जिनके आपराधिक रिकॉर्ड में एक से अधिक अपराध शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस झुंड में 200 से ज्यादा पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

सीजेआई ने इस पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'प्रदर्शनकारियों में निर्दोष छात्र भी थे। उन्होंने अपना



भविष्य बनाने के लिए जो-तोड़ मेहनत की है। उनके अभिभावकों ने अपनी जी-तोड़ मेहनत और खून-पसीने की कमाई उनकी पढ़ाई में लगाई है।' पूरे मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक हाईपावर कमिटी बनाने का ऐलान किया। कोर्ट ने कहा कि यह कमिटी पूर्ण जजों और डीजीपी स्तर के रियार्ड पुलिस अधिकारियों की देखरेख में काम करेगी। यह कमिटी स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्णायक जांच

करेगी। सीजेआई ने कहा कि कमिटी सिर्फ एक गोपनीय रिपोर्ट जमा नहीं करेगी। जैसे-जैसे नए मामले सामने आएंगे, कमिटी उनकी जांच करेगी और समय-समय पर रिपोर्ट देगी, ताकि कोर्ट आगे के निर्देश दे सके। जरूरत पड़ने पर अंतरिम निर्देश भी जारी किए जा सकेंगे।

सीजेआई ने बताया कि कमिटी में सीबीआई के एक पूर्व डायरेक्टर जनरल, जो कुछ साल पहले रिटायर हुए हैं और एक राज्य के पूर्व डीजीपी को शामिल करने की सहमति ली गई है। दोनों का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हम अभी ओपन कोर्ट में नाम नहीं बताना चाहते, ताकि किसी अधिकारी को दिक्कत न हो। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह बुधवार को कमिटी की

आधिकारिक घोषणा कर देगा।

कोर्ट ने दोनों पक्षों से कहा कि वे एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। सभी सबूत और सामग्री नोडल अधिकारी को सौंपी जाए, जो उसे कोर्ट तक पहुंचाएगा। इससे सुनवाई आसान हो जाएगी।

याचिकाकर्ताओं की वकील वृंदा ग्रोवर ने पैलेट गन से घायल हुए और अन्य लोगों को ज़िरफ्तार किया। वहीं घायल पुलिसकर्मियों की वकील ने कहा कि पुलिस पर पथराव किया गया था। एक याचिकाकर्ता ने पूछा कि पत्नी सुदेश के साथ हुई प्रताड़ना का मुद्दा भी उठाया। याचिकाकर्ता के वकील रिजवान अहमद ने बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी।

जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल और वृंदा ग्रोवर दोनों ने अपनी बातें स्पष्टता से रख दी हैं। अब आगे की कार्यवाही तय की जाएगी।

अमेरिका में सौ से ज्यादा इंडस्ट्री लीडर्स से गुजरात सीएम पटेल की मुलाकात

विश्व केसरी ■
गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को अमेरिका में सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी सेक्टर के 100 से ज्यादा लीडर्स के साथ कई राउंड-टेबल और वन-टू-वन मीटिंग की। उन्होंने राज्य को सिर्फ निवेश की जगह के तौर पर नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और स्प्लाइ-चेन डेवलपमेंट के लिए एक लंबे समय के रणनीतिक साझेदार के तौर पर पूरे किया। अमेरिका यात्रा के दूसरे दिन, मुख्यमंत्री और राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडटेक, हेल्थटेक, गेमिंग और डीपटेक के लीडर्स के साथ बातचीत की। इस बातचीत में अमेरिकी कंपनियों और राज्य



के बीच निवेश, रिसर्च, स्किलिंग और बिजनेस सहयोग के मौकों पर चर्चा हुई। पटेल ने कंपनियों को अगले साल जनवरी में होने वाले 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2027' में शामिल होने और बिजनेस-टू-बिजनेस (बी2बी) और बिजनेस-टू-गवर्नमेंट (बी2जी) मीटिंग्स के जरिए संभावित पार्टनरशिप की

संभावनाओं को तलाशने के लिए आमंत्रित किया।
सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी लीडर्स के साथ बातचीत के दौरान, पटेल ने सिलिकॉन वैली की टेक्नोलॉजी क्षमताओं को गुजरात के इंडस्ट्रियल बेस के साथ जोड़ने की संभावना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार

पटेल ने कहा, 'अगली पीढ़ी के टेक्नोलॉजी हब की सफलता न केवल इनोवेशन पर निर्भर करेगी, बल्कि जमीन, बिजली, कनेक्टिविटी, पूंजी, टैलेंट और पॉलिसी ने स्थिरता जैसी सभी सुविधाओं की एक साथ उपलब्धता पर भी निर्भर करेगी। गुजरात यह सब कुछ उपलब्ध करने और टेक्नोलॉजी-आधारित निवेश को आसान बनाने के लिए तैयार है।' नीटिंग्स में सेमीकंडक्टर मैनुफैक्चरिंग और उपरती टेक्नोलॉजी में अपनी स्थिति मजबूत करने की राज्य की महत्वाकांक्षा पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। गुजरात खुद को एक प्रमुख सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित कर रख है।

टेक्नोलॉजी कंपनियों के लिए एक पूरा इकोसिस्टम विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आर एंड डी और इनोवेशन से लेकर मैनुफैक्चरिंग और ग्लोबल विस्तार तक सब कुछ शामिल है। मीटिंग्स में शामिल इंडस्ट्री प्रतिनिधियों ने गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर, पॉलिसी में स्थिरता, तेज मंजूरी प्रक्रियाओं और

बिजनेस-फ्रेंडली व सक्रिय दृष्टिकोण की तारीफ की। एआई, हेल्थटेक, एडटेक और गेमिंग के लीडर्स के साथ एक अलग राउंड टेबल मीटिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जेनरेटिव एआई, रोबोटिक्स, एजुकेशन टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी और गेमिंग के उभरते इस्तेमाल पर चर्चा हुई।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने केपीएससी अध्यक्ष साहूकार का निलंबन किया निरस्त, 7 दिन में बहाली का आदेश

विश्व केसरी ■
बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा बी. साहूकार को बड़ी राहत देते हुए उनके निलंबन को रद्द कर दिया है। जस्टिस सूरज गोविंदराज की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्यपाल थावचंद गहलोत द्वारा 10 जुलाई को जारी निलंबन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने कहा कि निलंबन आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है, क्योंकि मंत्रिमंडल ने केपीएससी अध्यक्ष के निलंबन की न तो सिफारिश की थी और न ही ऐसा कोई सुझाव दिया था। अदालत ने स्पष्ट किया कि राज्यपाल को मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुरूप कार्य करना चाहिए था। इसी आधार पर अदालत ने निलंबन आदेश को निरस्त और शून्य घोषित कर दिया। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि साहूकार को सात दिनों के भीतर केपीएससी



अध्यक्ष के पद पर बहाल किया जाए, हालांकि कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि साहूकार अपनी बेइतियों की जियोक्ति से संबंधित किसी भी मामले में कोई निर्णय नहीं लेंगे। साहूकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्याम ने दलील दी थी कि निलंबन कानूनी प्रावधानों के अनुरूप नहीं था। याचिका में साहूकार ने तर्क दिया था कि संविधान के अनुच्छेद 317(1) के तहत राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के खिलाफ जांच के लिए राज्यपाल की सिफारिश पर

राष्ट्रपति द्वारा सुप्रीम कोर्ट को संदर्भ भेजे जाने तक राज्यपाल को उन्हें निलंबित करने का अधिकार नहीं है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब केपीएससी की भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं को लेकर विवाद जारी है। पशु चिकित्सा अधिकारियों को भर्ती में गड़बड़ियों की जांच भी चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक और अहमदाबाद में 21 स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई केपीएससी द्वारा वेटरिनरी अधिकारियों को भर्ती में कथित अनियमितताओं के मामले में की गई।

बेंगलुरु जोनल कार्यालय की ईडी टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 17 के तहत तलाशी अभियान चलाया। जिन स्थानों पर छापेमारी की गई उनमें केपीएससी कार्यालय, निलंबित अध्यक्ष साहूकार का आवास, केपीएससी सदस्य शांता होसमनी का घर, बिजौलियों के ठिकाने, चयनित अभ्यर्थियों के परिसर तथा परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के डिजिटल मूल्यांकन का कार्य संभालने वाली एडुटेस्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय शामिल हैं।

केवीएस-एनवीएस टियर-2 भर्ती परीक्षा के परिणाम जारी

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) में सरकारी शिक्षक बनने के लिए जो उम्मीदवार केवीएस और एनवीएस के दूसरे चरण की टियर-2 भर्ती परीक्षा में शामिल हुए थे और रिजल्ट जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, उनके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। दरअसल, केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) और नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) ने विभिन्न टीचिंग और नॉन-टीचिंग पदों के लिए टियर-टुहू भर्ती परीक्षा के नतीजे चरण-दर-चरण जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को केवीएस और एनवीएस के दूसरे चरण की टियर-2 भर्ती परीक्षा के नतीजे सीबीएसई, केवीएस और एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं। परीणाम चेक करने के लिए उम्मीदवार सबसे पहले सीबीएसई/केवीएस/एनवीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। होमपेज पर जाने के बाद परिणाम



से संबंधित लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद एक नया पेज खुलेगा, वहां रजिस्ट्रेशन नंबर, पासवर्ड और केप्चा कोड दर्ज करें। फिर परिणाम आपके स्क्रीन पर खुल जाएगा। रिजल्ट को चेक करने के बाद उसे डाउनलोड करें। भविष्य के संदर्भ के लिए परिणाम का प्रिंट आउट निकाल कर रख लें। सीबीएसई की ओर से जिन पदों के लिए केवीएस-एनवीएस टियर-2 भर्ती परीक्षा परिणाम जारी किए गए हैं, उनमें पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स (पीजीटी), पीजीटी (असमिया), पीजीटी (तेलुगु), पीजीटी (बांग्ला), पीजीटी (ओड़िया), पीजीटी (मलयालम) और टीजीटी (तमिल) पदों के रिजल्ट जारी किए गए हैं। इसी के साथ बोर्ड ने

(गारो), पीजीटी (बायो-टेक्नोलॉजी), पीजीटी (माणपुरी), पीजीटी (तमिल) और पीजीटी (तेलुगु) के परिणाम शामिल हैं। वहीं, ट्रेड ग्रेजुएट टीचर्स (टीजीटी) पदों में टीजीटी (मराठी), टीजीटी (तेलुगु), टीजीटी (असमिया), टीजीटी (माणपुरी), टीजीटी (उर्दू), टीजीटी (बांग्ला), टीजीटी (नेपाली), टीजीटी (गुजराती), टीजीटी (ओड़िया), टीजीटी (कन्नड़), टीजीटी (पंजाबी), टीजीटी (मलयालम) और टीजीटी (तमिल) पदों के रिजल्ट जारी किए गए हैं। इसी के साथ बोर्ड ने

नॉन-टीचिंग पोस्ट्स में असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल), एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर और मल्टी-टास्किंग स्टाफ पोस्ट के भी नतीजे घोषित किए हैं। उम्मीदवार अपने एप्लीकेशन पोर्टल पर लॉग इन करके, पोस्ट के हिसाब से अपना रिजल्ट/शॉर्टलिस्टिंग स्टेटस देख सकते हैं। वहीं, इस चरण में घोषित परिणाम से उम्मीदवारों को पता चलेगा कि उन्हें इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है या नहीं। कैडिडेट्स ध्यान दें कि एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल (ईएमआरएस) टियर-टुहू भर्ती परीक्षा के नतीजे अलग से ईएमआरएस/एनईएसटीएस की आधिकारिक वेबसाइट पर घोषित किए जाएंगे। इस भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत 2025 में हुई थी और टियर-1 परीक्षा 10 और 11 जनवरी 2026 को आयोजित की गई थी। टियर-टु का रिजल्ट 28 फरवरी 2026 को जारी किया गया था, जिसके बाद टियर-2 परीक्षा 27 से 31 मार्च 2026 तक हुई और टियर-2 का रिजल्ट 17 और 18 अगस्त को जारी किया गया है।

तंबाकू उत्पादों के सरोगेट विज्ञापनों को भ्रामक मानकर कार्रवाई हो तय : विक्रम पचपुते

विश्व केसरी ■
मुंबई। भाजपा विधायक विक्रम बबगराव पचपुते ने पान मसाला, फ्लेवर्ड सुपारी और तंबाकू उत्पादों के विज्ञापनों में सेलिब्रिटी एंडोसमेंट को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में फ्लेवर्ड तंबाकू, फ्लेवर्ड सुपारी और गुटखा प्रतिबंधित होने के बावजूद अलग-अलग ब्रांडों के विज्ञापन दिखाई देते हैं। उन्होंने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई), केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखकर

कार्रवाई की मांग की है। पचपुते ने आईएनएस से बातचीत में कहा कि उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया था। जब राज्य में इन उत्पादों पर प्रतिबंध है, तो उनसे मिलते-जुलते या दूसरे नामों से चलने वाले ब्रांडों के विज्ञापन किस तरह प्रसारित हो सकते हैं, इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विधानसभा में उन्हें जवाब मिला था कि ऐसे विज्ञापनों को 'सरोगेटेड एडवर्टाइजमेंट' के तौर पर देखा जाता है और मौजूदा प्रावधानों के तहत सीधे कार्रवाई मुश्किल है।



तुकाराम मुंडे की ओर से कुछ अभिनेताओं को नोटिस जारी किए जाने को लेकर पचपुते ने कहा कि केवल नोटिस जारी करने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। यदि इन्हें मौजूदा कानून के तहत सरोगेटेड विज्ञापन माना जाता है, तो संबंधित सेलिब्रिटी कानूनी रास्ते से राहत हासिल कर सकते

हैं। इसी वजह से मैंने एफएसएसआई को पत्र लिखकर पूरे मामले को एन तरीके से देखने की मांग की है। एफएसएसआई के अलावा केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भी पत्र भेजा गया है। भाजपा विधायक का कहना है कि ऐसे विज्ञापनों को केवल 'सरोगेटेड एड' के रूप में नहीं, बल्कि 'मिसलीडिंग एड' वाली भ्रामक विज्ञापन के तौर पर भी देखा जाना चाहिए। इस पर प्रभावी नियमन जरूरी है। अभिनेता, खिलाड़ी और बड़े

इन्फ्लुएंसर्स युवाओं के लिए प्रेरणा-स्त्रोत हैं। ऐसे में यदि इन्हें चेहरों के माध्यम से किसी विवादित या स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह उत्पाद से जुड़े ब्रांड का प्रचार किया जाता है, तो युवाओं के गलत दिशा में जाने का खतरा हो सकता है। सेलिब्रिटी और इन्फ्लुएंसर्स की भी सामाजिक जिम्मेदारी है और उन्हें ऐसे विज्ञापनों में काम करने से बचना चाहिए। पचपुते ने कहा कि यह मुद्दा जनहित से जुड़ा है और इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विपक्ष से भी इस विषय को उठाने की अपील की।

मुंबई में कई मतदाताओं के नाम डिजिटाइज नहीं, सरकार जवाब दे : असलम शेख

विश्व केसरी ■
मुंबई। कांग्रेस नेता असलम शेख, वेंकटेश और वर्षा गायकवाड़ ने केंद्र और महाराष्ट्र सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए विभिन्न मुद्दों पर पार्टी का रुख रखा। उन्होंने मुंबई कांग्रेस की बैठक, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), ऑटो-रिवक्शा चालकों के लिए मराठी भाषा की अनिवार्यता, बेरोजगारी, महंगाई, सड़क निर्माण की गुणवत्ता और छात्रों के आंदोलन समेत कई मुद्दों पर बात की। कांग्रेस नेतृ असलम शेख ने कहा कि मुंबई कांग्रेस की वरिष्ठ



नेताओं की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होती है। एसआईआर को लेकर उन्होंने दावा किया कि मुंबई में बड़ी संख्या में लोगों के नाम अभी तक डिजिटाइज नहीं हो पाए हैं। शिक्षकों और अधिकारियों के अलावा प्रशासनिक कार्यों में लगाने के कारण भी प्रक्रिया प्रभावित

हुई। मुंबई जैसे बड़े शहर में प्रत्येक पात्र नागरिक तक पहुंचना और उसके मताधिकार को सुरक्षित रखना सरकार तथा चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची में शामिल नहीं हो पाए, तो इसकी जवाबदेही किसकी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार के पास जन्म प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पासपोर्ट और बिजली बिल जैसे दस्तावेजों का डेटा मौजूद है। ऐसे में पात्र लोगों को परेशान करने के बजाय उपलब्ध डेटा के आधार पर सत्यापन की प्रक्रिया को आसान बनाया जाना चाहिए।

राजस्थान पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के खिलाफ एडवाइजरी जारी की

विश्व केसरी ■
जयपुर। राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस ने मंगलवार को रक्षाबंधन से पहले एडवाइजरी जारी की, जिसमें लोगों को साइबर धीम वाले धोखाधड़ी के संबंध में चेतावनी जारी की गई है। खबरों के मुताबिक, धोखेबाज लोग त्योहार का फायदा उठाकर फर्जी एपीके फाइलें, फिशिंग लिंक, उपहारों के ऑफर और क्रूरियर संदेश भेजकर व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुरा रहे हैं। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए राजस्थान साइबर क्राइम पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और अज्ञात फाइलों को डाउनलोड करने या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने का आग्रह किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (साइबर अपराध) वीके सिंह ने कहा कि साइबर अपराधी व्हाट्सएप के माध्यम से 'रक्षाबंधनडॉटप्रिटिंगडॉटएपीके' और



'फैसटिवल डॉट प्रिंटिंग डॉट एपी के जैसी फाइलें भेज रहे हैं। इस तरह की एपीके फाइलों के डाउनलोड और क्रूरियर संदेश भेजकर अपराधियों को मोबाइल फोन पर मौजूद संवेदनशील जानकारी और कार्यों तक पहुंच मिल सकती है, जिसमें कैमरा, गैलरी, संदेश और बैंकिंग एप्लिकेशन शामिल हैं। धोखेबाज रक्षा बंधन के विशेष ऑफर, मुफ्त गिफ्ट वाउचर, मोबाइल रिचार्ज और भारी छूट के आकर्षक संदेश भेज रहे हैं। इन संदेशों में अक्सर फर्जी वेबसाइटों के लिंक होते हैं, जिनका उद्देश्य बैंकिंग संबंधी जानकारी और अन्य व्यक्तिगत डेटा चुराना होता है।

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1) रंतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./34274/न.पा.नि./ जोन क्र. - 1/2026 रायपुर, दिनांक 14.08.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 34274 वार्ड का नाम - 4 - यलीयतनलाल वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 104A00210A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती DULAR DAS पिता/पति श्री MAHETIAR DAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री BHUNESHWAR DAS पिता श्री DULAR DAS ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ BATWARANAMA SAPATH PATRA TAX RASID / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 1 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1) रंतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./34394/न.पा.नि./ जोन क्र. - 1/2026 रायपुर, दिनांक 14.08.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 34394 वार्ड का नाम - 4 - यलीयतनलाल वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 105A00426A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती MEENA GAYAKWARD पिता/पति श्री PRAKASH GAYAKWARD के नाम से दर्ज है जिसको श्रीमती INDRANI DHOBI पिता/पति श्री JITRAM DHOBI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ MALAMA BIKRINAMA TAX RASID SAPATH PATRA ADHAR CARD / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 1 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1) रंतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./34402/न.पा.नि./ जोन क्र. - 1/2026 रायपुर, दिनांक 14.08.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 34402 वार्ड का नाम - 5 - बंजारी माता वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 105A00426A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती SANTRAM SAHU पिता/पति श्री GAUKARAN SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री SHIVSING पिता/पति श्री LATE. SANTRAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SAHMATI PATRA ADHAR CARD TAX RASID SAPATH PATRA/ वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 1 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1) रंतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./34403/न.पा.नि./ जोन क्र. - 1/2026 रायपुर, दिनांक 14.08.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 34403 वार्ड का नाम - 5 - बंजारी माता वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 105A00426A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती SANTRAM SAHU पिता/पति श्री GAUKARAN SAHU के नाम से दर्ज है जिसको श्री PUNU RAM SAHU पिता/पति श्री SANTRAM SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SAPATH PATRA SEHMATI PATRA ADHAR CARD TAX RASID / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 1 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1) रंतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर Email ID - rmczone1@gmail.com
पत्र क्र./34393/न.पा.नि./ जोन क्र. - 1/2026 रायपुर, दिनांक 14.08.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 34393 वार्ड का नाम - 5 - बंजारी माता वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 5 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 105A00358A जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती LATE SURENDRA SHAH के नाम से दर्ज है जिसको श्री BAJRANG SHAH पिता/पति श्री LATE. SURENDRA SHAH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ Saph patra batwaranama adhar card tax rasid / वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री अंशुल शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 1 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 5) इंटाह भाद, नगन पानी टंकी परियर, रायपुर Email ID - rmczone5@gmail.com
पत्र क्र./32628/न.पा.नि./ जोन क्र. - 5/2026 रायपुर, दिनांक 06.07.2026
इश्तिहार नामांतरण प्र. क्र. 32628 वार्ड का नाम - 66 - वामनपुर लाले वार्ड एवम द्वारा सुचित किया जाता है कि वार्ड 66 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. सी. RPR 68A400177 जो की निगम अधिलेख श्री/श्रीमती AISHWARYA DEVI पिता/पति श्री KAMLESH KUMAR KAUSHIK के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती श्री AMAR SHAW पिता/पति श्री GANGA RAM SHAW ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिबानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विकय विलेख /वंशानुक्रम / अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्थापित परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयवाधि परचात प्राप्त दावा/ आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
श्री सीरसागर नायक (जोन कमिश्नर) जोन क्रमांक 5 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

हमने वही वंदे मातरम् गाया जो गांधी और वाजपेयी ने गाया, अपराध है तो उनके खिलाफ भी केस दर्ज करें: खरगे

विश्व केसरी■
पणजी। कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम् के गायन को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को पार्टी नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज शिकायत के आधार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि अगर वंदे मातरम् के पुराने संस्करण को गाना अपराध है, तो महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू तथा अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ भी शिकायत दर्ज होनी चाहिए।

खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ‘वे क्या शिकायत करेंगे? हमने वही वंदे मातरम् गाया, जो महात्मा गांधी ने गाया था। हमने वही गाया जो जवाहरलाल नेहरू ने गाया था। पिछले 18 वर्षों से हम वही गाते आए हैं, जो उन्होंने गाया था। यहां तक कि वाजपेयी सरकार के दौरान भी यही वंदे मातरम् गाया गया था। उन्होंने कहा, ‘अगर यह अपराध है, तो पिछले 18 वर्षों से वे भी



यही अपराध कर रहे हैं। अगर यही अपराध है, तो महात्मा गांधी के खिलाफ केस दर्ज करें। अगर यही अपराध है, तो नेहरू के खिलाफ केस दर्ज करें। ‘

यह विवाद शनिवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में वंदे मातरम् के गायन के दौरान सामने

हुआ। रिपोर्टों के मुताबिक, सोनिया गांधी ने सबसे पहले इस बात पर ध्यान दिया कि गायक पूरे संस्करण का गायन जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कथित तौर पर खरगे की ओर इशारा किया और बाद में गायकों से रुकने के लिए कहा।

इस मामले में सोमवार को दिल्ली पुलिस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई गई थी। शिकायत में कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम् के गायन को कथित तौर पर बाधित करने के प्रयास को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रीय गीतों को लेकर उस समय प्रस्ताव पारित किया था, जब आज उनके आलोचक भी पैदा नहीं हुए थे। उन्होंने सवाल किया, ‘आप जो कहेंगे, क्या वही होगा? आने वाले वर्षों में कोई दूसरी सरकार आएगी, तो क्या वह जो कहेंगी, वही होगा। ‘

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री ने एमएमडीआर संशोधन विधेयक पर जताई आपत्ति, केंद्र को पत्र लिखकर पुनर्विचार की मांग

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वो खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर पुनर्विचार करें। उन्होंने इस विधेयक से जुड़े प्रावधानों पर चिंता जाहिर की। इस प्रावधान के तहत राज्य की उस संवैधानिक शक्ति को प्रतिबंधित करने का काम करता है, जिसके तहत खनिज अधिकार और खनिज युक्त भूमि पर कर लगाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को लिखे पत्र में परमेश्वर ने विधेयक से जुड़े प्रावधानों पर आपत्ति जताई। उन्होंने को कि इस बिल पर पुनर्विचार किया जाए। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने सर्वोच्च न्यायालय के 2024 के ऐतिहासिक फैसले का हवाला दिया,



जिसने खनिज युक्त भूमि और खनिज अधिकारों पर कराधान से संबंधित राज्य सूची की प्रविष्टियों 49 और 50 के तहत राज्यों की विधायी और वित्तीय शक्तियों को पुष्टि की थी।

परमेश्वर ने कहा कि केंद्र सरकार का एकतरफा दृष्टिकोण राष्ट्र से जुड़े संघवाद के ढांचे को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने इसे लेकर सभी राज्य सरकार से अर्धपूर्ण परामर्श की मांग की। उन्होंने संवैधानिक राजकीय शक्तियों को प्रभावित करने से पहले इस परामर्श की मांग की गई है।

परमेश्वर ने चेतावनी दी कि अधिनियम के प्रावधान खनिज उत्पादक राज्यों की संवैधानिक वित्तीय स्वायत्तता को कमजोर कर सकते हैं। खनिज अधिकारियों और खनिज भूमि पर कर लगाने से पहले परमेश्वर ने इसे लेकर सभी राज्य सरकारों से संरचनात्मक और समयबद्ध परामर्श की मांग की।

उन्होंने केंद्र से खनिज कराधान के संवैधानिक, वित्तीय, आर्थिक, पर्यावरणीय और निवेश संबंधी प्रभावों की जांच करने के लिए एक केंद्र-राज्य परामर्श तंत्र स्थापित करने का भी आग्रह किया।

संक्षिप्त खबर

महेंद्रगढ़ में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद शांति बरमाश को किया गिरफ्तार

विश्व केसरी■
महेंद्रगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में स्थित गांव दौंगड़ा अहीर के नजदीक मंगलवार की सुबह पुलिस और एक बदमाश की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बदमाश घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के अनुसार, सीआईए महेंद्रगढ़ की टीम गश्त के दौरान सतनाली मोड़ पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि हत्या जैसे गंभीर मामलों में मोस्ट वांटेड अपराधी सोमवीर (निवासी कनीना) बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर सवार होकर दोगड़ा महेंद्रगढ़ की तरफ गया है। उसके पास अवैध हथियार हैं और किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। पुलिस टीम ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की और बताए गए मार्ग पर आरोपी की तलाश एवं पीछा करना शुरू किया। साथ ही क्षेत्र में मौजूद अन्य पुलिस टीमों को भी सूचना से अवगत कराया गया। गांव भालखी की ढाणी के पास पुलिस टीम को बिना नंबर प्लेट की अपाचे मोटरसाइकिल दिखाई दी। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल चालक को रुकने और आत्मसमर्पण करने के लिए सायरन बजाकर एवं ऊंची आवाज में चेतावनी दी। हालांकि, मोटरसाइकिल चालक ने पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और अवैध हथियार से पुलिस पर फायर कर दिया।

जम्मू और कश्मीर : दो सड़क हादसों में एक की मौत, 17 घायल

विश्व केसरी■
श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक किशोर की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, एक किशोर लड़के की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह सबकुछ उस हादसे की वजह से हुआ है, जिसमें कई गाड़ियां आपस में एक-दूसरे से टकरा गई। यह हादसा जम्मू के राजौरी जिले में हुआ। यह हादसा राजौरी जिले के तंदवाल के जम्मू-पूछ के नेशनल हाईवे के पास हुआ, जहां दो पहिया वाहन आपस में टकरा गए। दरअसल, टैक्सी और ऑटो रिक्शा आपस में टकरा गए थे। इसके बाद तीन पहिया वाहन ने पार्किंग में खड़े पांच कारों में टक्कर मार दी। इस हादसे में 13 लोग घायल हो गए, जिसमें तीन लड़के भी शामिल हैं, जो दो पहिया वाहन में सवार थे। इससे घटनास्थल से दुर्घटनाग्रस्त हुए सभी वाहनों को जब्त कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, स्थानीय पुलिस थाने में अतिरिक्त जांच के लिए सुसंजत धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। इस बीच, सीआरपीएफ के पांच घायल कुलगाम जिले के कासीगुंड के पास हुए सड़क हादसे में घायल हो गए।



लखीसराय भगदड़ : प्रशांत किशोर ने प्रशासन पर उठाए सवाल, कहा- अब तक किसी पर कार्रवाई नहीं हुई

विश्व केसरी■

लखीसराय। जन सुराज के सूत्रधार और विधायक प्रशांत किशोर ने सोमवार को लखीसराय के अशोकधाम मंदिर में भगदड़ से प्रभावित परिवारों और घायलों से मुलाकात की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने हादसे के लिए प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि घटना के बाद भी किसी अधिकारी या पुलिसकर्मी पर जवाबदेही तय नहीं की गई है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि लोगों से बातचीत के बाद प्रथम दृष्ट्या ऐसा लगता है कि प्रशासन ने भीड़ को देखते हुए जिस गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ व्यवस्था करनी चाहिए थी, वह नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में यहां भारी भीड़ होती है और हर सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। इसके बावजूद पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और भीड़ प्रबंधन की समुचित योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा, ‘सात लोगों की जान गई है। अभी तक



किसी प्रशासनिक अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई है। डीएम, एसपी, एसडीएम, डीएसपी या थानेदार किसी पर जवाबदेही तय नहीं हुई। एक हवलदार या कॉन्स्टेबल तक निर्लंबित नहीं हुआ है।’

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि बिहार में दुर्घटना के बाद कुछ मुआवजा में यहां भारी भीड़ होती है और हर सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को मुआवजा मिलना उनका अधिकार है, लेकिन सिर्फ आर्थिक सहायता देने से सरकार की जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। दोषी अधिकारियों और

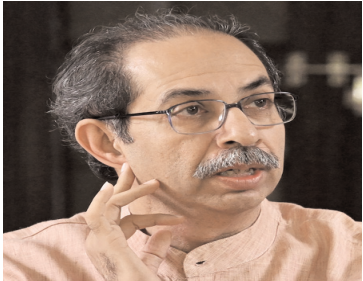
वंदे मातरम विवाद पर शिवसेना-यूबीटी ने भाजपा की आलोचना की, बेवजह तूल देने का लगाया आरोप

विश्व केसरी■

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व पर तीखा हमला किया और सत्ताधारी भाजपा पर ‘बौद्धिक दिवालियापन’ और राष्ट्रीयता ‘वंदे मातरम्’ को लेकर बेवजह राजनीतिक विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया।

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र ‘सामना’ में छपे एक तीखे संपादकीय में ठाकरे गुट ने कहा कि भारत की आजादी की लड़ाई, देश के अहम पड़ावों या ‘वंदे मातरम्’ और ‘इंक्लाब जिंदाबाद’ जैसे मशहूर नारों में भाजपा की कोई ऐतिहासिक भूमिका नहीं रही है। संपादकीय में भाजपा के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर निशाना साधा गया। मुस्लिम लीग के नेतृत्व वाली बंगाल कैबिनेट में उनकी भागीदारी का जिक्र किया गया और उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने ब्रिटिश शासन से आजादी के आंदोलनों (जिसमें ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ भी शामिल था) को सख्ती से दबाने की कवालत की थी।

शिवसेना का तर्क है कि राजनीतिक विरोधियों से माफी मांगने के बजाय भाजपा



को आजादी के आंदोलन के साथ ऐतिहासिक रूप से धोखा देने के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

यह हमला संसद की कार्यवाही को लेकर विपक्ष और केंद्र सरकार के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। संपादकीय के अनुसार, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष ने हाल ही में संसद में हंगामा किया और जंतर-मंतर पर पैलेट गन से फायरिंग की कथित घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान और माफी की मांग की। संपादकीय में कहा गया है कि गृह मंत्री शाह ने संसद सत्र से किनारा किया और बाद में ‘वंदे मातरम्’ पर कांग्रेस के रुख को ‘बौद्धिक नक्सलवाद’ करार देते हुए माफी की मांग की।

16,000 करोड़ रुपए के निवेश से विड़िंजम पोर्ट की क्षमता बढ़कर सालाना 57 लाख टीईयू होगी; 5,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। विड़िंजम इंटरनेशनल पोर्ट पर आयात-निर्यात (ईएक्सआईएम) ऑपरेशन पूरी तरह से शुरू हो गए हैं। वहीं, अब दूसरे चरण के तहत 16,000 करोड़ रुपए के निवेश से पोर्ट की क्षमता बढ़कर 57 लाख टीईयू हो जाएगी और 1,200 मीटर के कंटेनर बर्थ जुड़ेगी। साथ ही, इसके तहत रेल और रोड़ कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स पार्क्स, वेंयरहाउसिंग और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। यह एलान मंगलवार को किया गया।

दिसंबर 2028 तक तेजी से पूरे फेज का डेवलपमेंट पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से 5,000 से ज्यादा अतिरिक्त प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने की भी उम्मीद है, जिससे बड़े मैनूफैचर और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में सीपोर्ट ने आयात-निर्यात ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। इसके साथ ही, यह एक बेहतरीन प्रदर्शन वाले ट्रांसशिपमेंट हब से



बदलकर भारतीय व्यापार और ग्लोबल मार्केट के लिए एक गेटवे बन गया है। आयात-निर्यात ऑपरेशन का मतलब है देश से निर्यात या आयात होने वाले कार्गो को संभालना, साथ ही इंटरनेशनल शिपिंग सर्विस के बीच ट्रांसशिपमेंट का काम करना। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसजेड) के सीईओ और पूर्ण-मैनूफैचर और लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम में ‘यह एक नए गेटवे की शुरुआत है जो केरल के टैलेंट, भारत के एंटरप्राइज और लाखों लोगों की उम्मीदों को ग्लोबल मार्केट से जोड़ता है।

नरेंद्र दामोदकर इत्या मामला : आरोपी सचिन अंदुरे को बॉम्बे हाईकोर्ट से मिली जमानत

विश्व केसरी■

मुंबई। अंधविश्वास के खिलाफ आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता और अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के संस्थापक डॉ. नरेंद्र दामोदकर की हत्या के मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुख्य आरोपी सचिन अंदुरे को जमानत दे दी है।

13 साल पहले 20 अगस्त 2013 को पुणे के महर्षि विठ्ठल रामजी ब्रिज पर सुबह मॉर्निंग वॉक के दौरान डॉ. दामोदकर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुणे की विशेष सत्र अदालत ने साल 2024 में सचिन अंदुरे और शरद कलसकर को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत



ने डॉ. वीरेंद्र तावड़े, विक्रम भावे और वकील संजीव पुनालेकर को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था।

सजा के बाद सचिन अंदुरे ने बॉम्बे हाईकोर्ट में अपील दायर की थी और अपील पर अंतिम फैसला कलसकर को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। अदालत

सुनवाई के बाद जमानत मंजूर कर ली। इससे पहले 29 अप्रैल को इसी मामले में दूसरे दोषी शरद कलसकर को भी बॉम्बे हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। न्यायमूर्ति अजय गडकरी और न्यायमूर्ति रणजीतसिंह भोसले की पीठ ने कलसकर की जमानत याचिका स्वीकार की थी।

कोलकाता में 200 साल पुरानी इमारत गिरी; एक महिला की मौत, 19 लोग मलबे में फंसे

विश्व केसरी■

कोलकाता। कोलकाता के उत्तरी इलाके में रातभर हुई भारी बारिश के बाद मंगलवार तड़के एक 200 साल पुरानी इमारत का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि 19 लोग मलबे में फंसे गए। मलबे से निकाला गया शव उर्मिला शॉ का है। यह घर उत्तर कोलकाता के शिमला-बेडन स्ट्रीट इलाके में ब्रजालुदाल स्ट्रीट पर स्थित है। यह जगह गिरिश पार्क और चित्तरंजन एवेन्यू के पास काफी व्यस्त इलाके में पड़ती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, उर्मिला शॉ सुबह किसी काम से घर से बाहर निकलने दी वाली थीं कि तभी पूरी इमारत धड़ाम से गिर गई और वह मौके पर ही दब गईं।



घटना की सूचना मिलते ही पश्चिम बंगाल अग्निशमन विभाग, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग और एनडीआरएफ की टीमों मौके पर पहुंच गईं। टीमों मलबे में फंसे 19 अन्य लोगों को निकालने का काम कर रही हैं। बताया जा रहा है कि यह लगभग 200 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत थी और इसमें आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने इस घर को काफी पहले ही ‘जर्जर और खाली करने

हैं। बताया जा रहा है कि यह लगभग 200 साल पुरानी तीन मंजिला इमारत थी और इसमें आने-जाने का सिर्फ एक ही रास्ता था। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने इस घर को काफी पहले ही ‘जर्जर और खाली करने

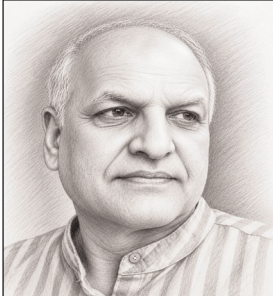
योग्य’ घोषित कर दिया था। इसके बावजूद यहां 20 लोग रह रहे थे।

घर के सामने गली बहुत तंग है, जिसकी वजह से बचाव दल को राहत कार्य में काफी दिक्कत हो रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सुबह अचानक तेज आवाज हुई तो पूरे इलाके के लोग डर गए। जब लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे तो देखा कि रातभर की बारिश के बाद घर गिर चुका था। मलबे के नीचे उर्मिला शॉ का शव दिखा। केएमसी को सूचना दी गई और शव को निकाला गया। बताया जा रहा है कि उनके पति और बेटा भी 19 फंसे हुए लोगों में शामिल हैं।

केएमसी अधिकारियों ने पहले ही इस इमारत को खाली करने या पूरी मरम्मत कराने की सलाह कई बार दी थी।

संपादकीय

साहित्य और प्रकाशन के धूमकेतु थे संजीव कुमार



गिरिश पंकज

पहूँच गई-वे महत्वपूर्ण अधिवक्ता भी थे।। सो विधि संबंधी उनकी तीस चालीस किताबें पहले से थीं। वर्षों पहले वे एक कारपोरेट घराने से उच्च पद पर आसीन थे इसलिए स्वाभाविक है कि उनका लेखक रूप वहीं रहते हुए प्रकट नहीं हो पाया। हालांकि उस समय भी लिख रहे थे। लेकिन जब उन्होंने व कॉरपोरेट हाउस छोड़ा और स्वतंत्र रूप से लेखन-प्रकाशन के क्षेत्र में सक्रिय हुए, तब उनके दोनों भव्य रूप लोगों ने देखे।

संजीव कुमार के साथ सबसे अच्छी बात यह थी कि वह प्रतिभाओं को भी पहचानते थे,यही कारण है कि कुछ वर्ष पहले जब वे पहली बार विलासपुर में मुझसे मिले, तो उन्होंने आग्रह करके कुछ पुस्तकें अपने प्रकाशन से निकालीं। उनकी कुछ पुस्तकों की भूमिकाएँ भी मैंने लिखीं। एक लेखक प्रकाशक होते हुए उनका विनम्र स्वभाव अद्भुत था।। नोएडा स्थित उनके निवास पर कई रुका। उनकी पत्नी डॉ. मनोरमा के सुव्यवहार



को भी देखा। ऐसे दम्पती कम दिखाई देते हैं। वे खुद अच्छी लिखती हैं लेकिन अब उनका लिखना कम हुआ है क्योंकि अब वे प्रकाशन-प्रबंधन अधिक देखती हैं। उन्होंने मुझसे यह कहा कि “लिखने का जिम्मा मैंने संजीव कुमार जी को दे दिया है।”

संजीव कुमार की जब सीवी पुस्तक ‘आज की मधुशाला’ प्रकाशित हुई, तो उनके परिवार ने दिल्ली में एक भव्य आयोजन किया। उसमें देश के कुछ चुनिंदा लोगों को शामिल होने का आत्मीय निमंत्रण संजीव जी ने दिया। मुझे भी उन्होंने बुलाया। अपने घर पर ठहराया। एक पंचतारा होटल में यादगार आयोजन हुआ, जिसमें दिल्ली के भी कुछ महत्वपूर्ण लेखक शामिल हुए।। सबने संजीव कुमार की सक्रियता की तारीफ की। उनके बेटी-दामाद ‘शतकवीर’ के आयोजन में शामिल होने अमेरिका से आए। मैंने वहाँ यह बात कही कि लेखक और प्रकाशक के रूप में पहले भी कुछ लोग सक्रिय रहे हैं। मैंने दो नाम लिए, उर्पेन्द्रनाथ अश्व और प्रेमचंद के। ये दोनों सक्रिय लेखक थे और प्रकाशक भी। उसी परंपरा में संजीव कुमार भी अब एक नाम है।

संजीवकुमार ने अहल्या, गौतम और इंद्र को लेकर जो प्रचलित आख्या हैं, उसके विपरीत शोध करके अपनी एक अलग स्थापना दी है, वह बेहद महत्वपूर्ण है। आँखें खोल देने वाली। पुरानी मान्यताओं को खंडित कर के नई स्थापनाएँ देना या उससे परिचित कराना भी एक सजग कवि का धर्म है। मुझे कवि संजीव की अध्ययनशीलता अभिभूत करती थी।। कवि ने अपनी इस कृति को काव्य-उपन्यास कहा। पौराणिक आख्यानों की भाषा खंडी बोली में उतना सुखकर प्रतीत नहीं होती। तत्सम-प्रयोग से रचना की प्रभविष्णुता और सघन हो जाती है। ‘अश्मा’ शब्द हिंदी में कम प्रचलित है।

संजीव कुमार को एक और कृति है ‘खामोशी की चीखें’। इसकी भूमिका में मैंने लिखा कि हमारे समय की जो खामोशी चीखें हैं, उसे केवल कवि सुन सकता है। हर कवि नहीं, केवल सच्चा कवि। कश्मीर की पीड़ा को बहुत कम लोगों ने व्यक्त किया। कश्मीर के बाहर रहने वाले कुछ निष्कृष्ट लेखकों ने हल इतिहास लिखने की भी कोशिश की, जो निंदनीय है। कश्मीर की हिन्दू महिलाओं के साथ होने वाले दुराचारों को पढ़कर मन पीड़ा से भर उठता है। जब हजारों पंडित कश्मीर से पलायन करते हैं, तो मन गुस्से से भर जाता है। इन सब की पीड़ा को ईमानदारी के साथ स्वर दिया संजीव कुमार ने। डॉ. संजीव कुमार के विपुल लेखन को देखते हुए यही निष्कर्ष निकलता है कि वे बेहद परिश्रमी व्यक्ति थे और अपने सारे कामों के बीच संतुलन बना कर चलते थे।। ऐसा संतुलन बहुत कम ही दुष्ट्य होता है, कि एक व्यक्ति अधिवक्ता भी थे,साहित्यकार भी और प्रकाशक भी। समाजसेवी भी थे।।



डॉ. अरविन्द नेरल, एम. डी.

सफलता सरलता से नहीं मिलती है, लेकिन इतना जरूर ध्यान रखें कि इसे पाना सरल है आसान नहीं। यह आमधारणा सही नहीं है कि सफल लोग ज्यादा प्रतिभाशाली और योग्य होते हैं। दरअसल, जिनके जीवन का कोई लक्ष्य नहीं होता वे दूसरे को खुद से ज्यादा प्रतिभाशाली मानने लगते हैं।। अपने ही भीतर छिपी योग्यताओं और गुणों को विकसित करने की कोशिश नहीं करते और उनका सकारात्मक दोहन करने से वंचित रह जाते हैं। दूसरों से तुलना के आधार पर वे अपनी अकर्मण्यता को तर्कसंगत ठहराने लगते हैं। दुनिया के सफल व्यक्तियों के अध्ययन ने ये साबित किया है कि प्रतिभा, नैसर्गिक योग्यता और बाहरी छवि का सफलता से बहुत कम सरोकार होता है। कभी भी शिक्षा को बुद्धिमता के साथ प्रमित न करें। जिनके पास पी. एच. डी. है, वे भी असफल हो सकते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति हमेशा योग्यता को हरा देती है। जब इच्छाएं मजबूत होती हैं, तब उन्हें पूरा करने अलौकिक शक्ति आ ही जाती है। कांटें से भी गुलदान सजा लेने का हुनर हो तो फूलों की जरूरत नहीं

होती। मालूम हो कि कैक्टस भी खूबसूरत हो सकते हैं। लगन की धार पैनी हो तो मंजिलें भी मुस्कुराती हैं।

‘कदम चूम लेती है खुद आकर मंजिल मुसाफिर गर अपनी हिम्मत न हारे ‘

सफलता परिस्थितियों पर पूर्णतः आश्रित नहीं होती है। अनुकूल परिस्थितियों न होने के बहाने बनाकर कुछ लोग ईनामदार कोशिश ही नहीं करते हैं। वे भूल

खिलते रहने का जज्बा होना चाहिए। सफल होने के लिए, सफल होने की इच्छा असफल होने के डर से ज्यादा शक्तिशाली होना चाहिए। दौड़ते हुए घोड़ों ओर उगते हुए सूरज की तस्वीरें लगाने से सफलता नहीं मिलती। सफलता पाने के लिए सूरज से पहले जागना और घोड़ों से तेज भागना होता है। अगर मेहनत आदत बन जाए तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है।

‘मुश्किलें तो आयेगी, हौसलों से रिश्ता रखिए

खुशकिस्मती अचानक सामने खड़ी नजर आयेगी। ऊंचे लक्ष्य, सकारात्मक दृष्टिकोण, सही जीवन मूल्य और कड़ी मेहनत हर इंसान की पहुंच के भीतर है। ऐसे कोई सफल और मजबूत इंसान नहीं हैं, जिनका अतीत आसान रहा हो। संघर्षों की कहानी पर ही सफलताओं के शीर्षक होते हैं। और फिर, संघर्ष की रात जितनी अंधेरी होती है, सफलता का सूरज उतना ही तेज चमकता है। कामयाब होने के लिए रफ्तार और निरंतरता

आज भी एक रिकॉर्ड है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा था कि यह कोई भाग्य का खेल नहीं था और न ही अचानक प्राप्त कोई उपलब्धि। ये कई सालों की तैयारी का प्रतिफल था, जिसमें वे 10 से 12 घंटे प्रतिदिन प्रैक्टिस करते थे। साल के पूरे 365 दिन औसतन रोज तीन कि.मी. की तैराकी किया करते थे। यह कोई मजाक नहीं। बहुत मुश्किल काम पूरी निष्ठा, लगन और ईमानदारी से किया, जिसे ‘टारगेटेड प्रैक्टिस’ कहते हैं।

महत्वाकांक्षी लोग लगभग हमेशा अपने जहाज को चट्टानों से टकरा देते हैं। ऐसे लोग न सिर्फ असम्माननीय और तिरस्कृत होते हैं, बल्कि बहुत दयनीय अंत के हकदार होते हैं। वे धनवान तो बन जाएंगे लेकिन जीवन के सचमुच महत्वपूर्ण क्षेत्रों में शायद ही कभी दौलतमंद हो पायेंगे। चप्पल चूम कर मिली सफलता अस्थायी और असम्माननीय होती है, जबकि चप्पल घिसकर मिली सफलता स्थाई, सम्माननीय और वंदनीय होती है। इंसान महान उपलब्धियां तभी हासिल कर पाता है, जब वो अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाता है और अपने संसाधनों का अधिकतम प्रयोग करता है। अपने सामर्थ्य का पूरा दोहन न करना स्वयं के प्रति एक अपराध है। सफलता का सबसे बड़ा दुश्मन है ‘डर’। जब भी अवसर दरवाजा खटखटाए, साहस को दरवाजा खोलने के लिए भेजें। अगर अवसर दस्तक न दे तो नया दरवाजा बनायें। जब तक आप किनारे छोड़ने का साहस नहीं उठाएंगे तब तक नए द्वीप की तलाश असंभव है। महत्वाकांक्षा, साहस, प्रबल प्रेरणा, कड़ी मेहनत, जुनून और ईमानदार कोशिशों का प्रभावी समन्वय सफलता की गारंटी होती है। यदि आपने ऊंची उड़ान का हौसला बना लिया है तो कद आसमान का छोटा नजर आयेगा। ‘बुलंदी पर कभी होश में पहुंचा नहीं कोई बुलंदी पर पहुंचना हो तो पागल होना पड़ता है।’

प्रोफेसर पैथालॉजी रायपुर इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस 893098540

भारतीयता की वैचारिक लड़ाई

पार्थसारथ्य थपलियाल

भारतीय शिक्षा व्यवस्था केवल परीक्षा, डिग्री और रोजगार का माध्यम नहीं है। वह यह भी तय करती है कि आने वाली पीढ़ियाँ अपने देश, समाज, संस्कृति और इतिहास को किस दृष्टि से देखेंगी। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय ज्ञान-परंपरा, भारतीय भाषाओं, प्राचीन शिक्षा-पद्धति और सांस्कृतिक विरासत को शिक्षा के मुख्य प्रवाह में अधिक स्थान देने की कोशिश हुई है। शिक्षा मंत्रालय भारतीय ज्ञान-प्रणाली को पाठ्यक्रम में समाहित करने को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण अंग मानता है। शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जिन्हें एक सुनिश्चित योजना के अंतर्गत नीट पेपर लोक मामले में अराजकता का माहौल बनाकर त्यागपत्र देने के लिए मजबूर किया गया, उसी प्रकार की स्थिति में न पंजाब के मुख्यमंत्री से त्यागपत्र मांगा गया न झारखंड में मुख्यमंत्री से। नीट पेपर लोक मामले में अमेरिका से आये तिलचट्टा लोग जो अराजक आंदोलन में केजरीवाल की नीतियों के समर्थक रहे उसमें विदेशी फंडिंग

के सहयोग से राजनीतिक स्वरूप दिया गया। आखिर ऐसा क्यों किया गया? इसी पृष्ठभूमि में धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्रो के रूप में कार्यकाल को देखना चाहिए। उनके कार्यकाल में NCERT की नई पुस्तकों में भारतीय ज्ञान-परंपराओं और देशज ज्ञान को समाहित करने की दिशा में संस्थागत प्रयास हुए हैं। NCERT के अनुसार नई पाठ्यपुस्तकों में भारतीय ज्ञान-प्रणालियों, जनजातीय ज्ञान तथा पारंपरिक ज्ञान-पद्धतियों को विभिन्न विषयों में शामिल किया गया है। यह परिवर्तन केवल पाठ्यपुस्तक का परिवर्तन नहीं है, यह उस दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत है जिसमें भारत के अतीत को केवल औपनिवेशिक या पश्चिमी दृष्टि से देखने के बजाय भारतीय स्रोतों और अनुभवों को भी महत्व दिया जा रहा है। इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में पुरानी वैचारिक धारणाओं और नई इतिहास-दृष्टि के बीच संघर्ष स्वाभाविक है। भारतीय इतिहासलेखन में मार्क्सवादी इतिहासकारों का प्रभाव लंबे समय तक अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों में

रोमिला थापर, इरफान हबीब, आर. एस. शर्मा और बिपिन चंद्र जैसे इतिहासकारों को मार्क्सवादी इतिहासलेखन की परंपरा के प्रमुख प्रतिनिधियों के रूप में पढ़ाया गया है। इसका अर्थ यह नहीं कि उनके समस्त शोध को असत्य अथवा बेईमानी कह दिया जाए, लेकिन जब हम भारत के गौरवमय इतिहास को जानना चाहते हैं उसमें भारतीयता का अभाव है। हमें भारत के गौरव की जगह मुगलों की महानता पढ़ाई गई। भारत के सांस्कृतिक वैभव का कहीं उल्लेखनीय इतिहास नहीं लिखा गया। सिख गुरुओं के बलिदान को संदर्भ में लिखा दिया गया। चित्तौड़ के शौर्य को केवल रानी पद्मिनी की सौंदर्य के लिए युद्ध के रूप में पढ़ाया गया। छत्रपति शिवाजी महाराज, शंभा जी महाराज, महाराणा प्रताप, गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान, गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के बलिदान की कहानी, भाई मति दास, सती दास, भाई परमानंद, को इतिहास में क्या स्थान मिला। भारतीय स्थापत्य को इतिहासकारों ने वह महत्व नहीं दिया, जो मिलना चाहिए था।भारत

को सर्वधर्म समभाव की दृष्टि रखता है उसे जातीयता के रूप में इतिहासकारों ने लिखा। परंतु यह प्रश्न अवश्य पूछा जाना चाहिए कि क्या इतिहास-लेखन में किसी एक विचारधारा का अत्यधिक प्रभुत्व दूसरे स्रोतों, दृष्टियों और राष्ट्रीय अनुभवों को पर्याप्त स्थान देता रहा? यही वह प्रश्न है जिस पर आज गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। रोमिला थापर स्वयं इतिहास और विचारधारा के संबंध को स्वीकार करती रही हैं और उन्होंने इतिहास के राजनीतिक उपयोग पर बहस की है। इसलिए भारतीय इतिहास पर बहस को ‘एक पक्ष सत्य और दूसरा पक्ष झूठ’ की सरल श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा। धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की मांगों को भी इसी व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। हाल के वर्षों में परीक्षा व्यवस्था, पेपर लोक, NTA और विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर उनके इस्तीफे की मांग उठी है। लोकतंत्र में ऐसी मांग विपक्ष और नागरिक समाज का वैध अधिकार है।

एक किसान को विरासत में खूब धन-संपत्ति मिली। वह दिनभर खाली बैठा हुक्का गुड़गुड़ाता और गप्प हाँकता रहता। रिश्तेदार और काम करने वाले नौकर-चाकर उसके आलस्य का लाभ उठाते और उसके माल पर हाथ साफ करने में लगे रहते। एक दिन उसका पुराना मित्र उससे मिलने आया। यह अव्यवस्था देखकर उसे कष्ट हुआ और उसने किसान को समझाने की कोशिश की, किंतु उस पर कोई असर नहीं हुआ। तब उसने किसान मित्र से कहा कि वह उसे एक महात्मा के पास ले जाएगा जो उसे अमीर होने के नुस्खे बताएंगे। यह सुनकर वह तुरंत अपने मित्र के साथ उन महात्मा के पास जा पहुंचा। महात्मा ने किसान से कहा, ‘हर दिन सूर्योदय से पहले एक श्वेत नीलकंठ खलिहान, गोशाला, घुड़साल और घर में चक्कर लगाता है और बहुत जल्दी गायब हो जाता है। उस नीलकंठ के दर्शन तुम्हारे धन-

संपत्ति को बढ़ाने की क्षमता रखते हैं।’ अगले दिन किसान खुशी-खुशी सूर्योदय से पहले उठा और नीलकंठ की खोज में पहले अपने खेत गया। वहां उसने देखा कि उसका एक रिश्तेदार अनाज से बोरा भरकर ले जा रहा है। शीघ्र ही वह गोशाला पहुंचा तो देखा कि उसका नौकर दूध की भरी बाल्टी चुराकर अपने घर ले जा रहा है। जब वह घुड़साल गया तो वहां बेहद गंदगी पाई और देखा नौकर सो रहा था। अगले दिन भी कुछ ऐसा ही हुआ। किसान के रिश्तेदार और नौकर अब सजग होकर अपना काम ईमानदारी और फुर्ती से करने लगे। अब किसान आलस्य मुक्त और स्वस्थ हो गया, लेकिन उसे श्वेत नीलकंठ के दर्शन नहीं हुए। उसने महात्मा से जब यह बात कही तब उन्होंने कहा, ‘तुम्हें उसके दर्शन तो हो गए, लेकिन तुम उसे पहचान नहीं पाए। वह श्वेत नीलकंठ ‘कर्तव्य’ है।’ यह सुनकर किसान की आंखें खुल गईं।

कविता

‘मैं’ से ‘हम’ तक



डॉ. प्रियंका सौरभ

मैं से हम तक चल पड़े, बदले मन के भाव। मिल-जुलकर जब बाँट लें, आधा हो हर धाव॥

मैं की सीमा छोड़कर, हम का थामें हाथ। हाथ चलें तो दूर हो, जीवन की हर रात॥

मैं-मैं करते रह गए, छूट गया संसार। हम बनकर जो जी लिए, मिल जाता परिवार॥

अपना सुख ही क्यों चुनें, बाँटें सबके भाग। दूजों के चेहरे खिले, मिटे हृदय का दाग॥

तेरा-मेरा छोड़कर, अपना मांनें गाँव। मिल-जुलकर जब हम रहें, महके अपनी छाँव॥

एक अकेला दीप है, मिलकर बने उजाल। एकता की लौ जले, मिटे मनों की प्यास॥

मैं छोटा या तू बड़ा, इससे क्या सम्मान। साथ खड़े जब हम रहें, ऊँचा हो इंसान॥

जाति-धर्म की दीवारें, मन से दें हम तोड़। मानवता की राह पर, प्रेम-सुमन दें जोड़॥

स्वार्थों की इस भीड़ में, बाँटें प्रेम अपार। ‘मैं’ से ‘हम’ तक जो बढ़े, वह सच्चा संसार॥

हाथ मिले तो राह में, पर्वत जाएँ टूट। मन से मन जब जुड़ गए, बंधन जाएँ छूट॥

मेरा तेरा भूलकर, सबका हो अधिकार। साझा श्रम, साझा खुशी, यह सच्चा व्यवहार॥

अहंकार की आग को, प्रेम करे निष्काम। ‘मैं’ मिटते ही ‘हम’ बने, सुंदर हो हर धाम॥

अपनेपन की छाँव में, खिलें सभी के फूल। ‘हम’ की शक्ति से मिटे, जीवन के सब शूल॥

‘मैं’ से ‘हम’ तक जो चले, बदले मन संसार। साथ-संगति, प्रेम से, जीवन हो गुलजार॥

व्यंग्य केसरी

मैं भी जिम्मेदार हूँ



डॉ पुनीत कुमार

लेकिन एक बात अच्छी हुई है, इन समस्याओं के लिए कौन जिम्मेदार है, यह हमारी शुभचिंतक सरकार ने सफलतापूर्वक खोज लिया है। सरकार इसके लिए बधाई की पात्र है। एक ऐसा व्यक्ति चिह्नित कर लिया गया है, जिसे हर बात के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि, अपनी सहमति, असहमति जताने के लिए वह जिंदा भी नहीं है। इसलिए सब कुछ आसान हो गया है। हम हर दिन एक नई जिम्मेदारी उसके कंधों पर डाल रहे हैं। गोया एक सौ चालीस करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, एक अकेला वही जिम्मेदार है, बाकी सब गैर जिम्मेदार हैं। उस व्यक्ति में कमाल की सहनशक्ति है। वह चौराहों पर खड़े बुतों में,संग्रहालयों में लगे चित्रों में, किताबों में, हर जगह अब भी मुस्कुराता हुआ मिल जाता है। उसकी स्वीकार्यता इतनी बढ़ गई है कि अब कहीं भी, कुछ भी हो, लोग बिना सोचे समझे उसको जिम्मेदार ठहरा देते हैं, और बाकी लोग भी, बिना किसी हील हुन्जत के, उसे स्वीकार कर लेते हैं। उसके कंधे बहुत मजबूत हैं। जिम्मेदारियों के बोझ से ना झुकते हैं, ना टूटते हैं। उसको हम असीमित क्षमताओं वाला सुपरमैन भी कह सकते हैं।

मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो हम एक सौ चालीस करोड़ लोगों का फ़र्ज बनता है कि हम इसकी जिम्मेदारियों को बाँटे। मैंने यह लेख लिखकर, इस ओर एक छोटा सा कदम बढ़ाया है। मैं चाहता हूँ कि कोई मुझे गैर जिम्मेदार ना समझे। यह तभी हो सकता है जब सबको पता चले कि मैं कोई जिम्मेदारी वाला काम कर रहा हूँ।मेरा सभी सुधि पाठकों से विनम्र निवेदन है कि थोड़ी सी जिम्मेदारी वे भी उठाएं और मेरे इस आलेख को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं।

मुरादाबाद 244001

मैं भी जिम्मेदार हूँ

इतिहास

19 अगस्त के इतिहास में छत्रपति शिवाजी महाराज का औरंगजेब की कैद से निकलना, पहला एक रुपये का सिक्का जारी होना और विश्व मानवतावादी दिवस जैसी प्रमुख घटनाएँ दर्ज हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं 1666: मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज आगरा में औरंगजेब की कैद से चालाकी से सुरक्षित बाहर निकले। 1757: ब्रिटिश राज के दौरान भारत में बंगाल की टकसाल से पहला एक रुपये का सिक्का जारी किया गया। 1907: पेरिस में मैरी क्यूरी और पियरे क्यूरी ने रेडियोधर्मिता (radioactivity) पर महत्वपूर्ण शोध कार्य आगे बढ़ाया। 1939: अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने विमानन के क्षेत्र में योगदान देने वाले ओरविल राइट के जन्मदिन पर 'राष्ट्रीय विमानन दिवस' की घोषणा की।

उफनती नदी की धार के मध्य थम गई गर्भवती महिला की सांस

मलेरिया से जूझ रही, तीन माह की गर्भवती महिला की अस्पताल पहुंचने से पहले नाव में मौत

विश्व केसरी■
कांकर (रोहित शर्मा)। बस्तर वनांचल के अंदरूनी इलाकों में बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था कितनी खराब और लचर है,इसकी पोल छोटेबेटिया के सितरम के अंदरूनी ग्राम कंदाड़ी के तीन माह की गर्भवती और मलेरिया से ग्रसित महिला की मौत ने खोल कर रख दी है। कंदाड़ी गांव से किसी मरीज को ईलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल लाना,वो भी बारिश के मौसम में उफनती नदियां पार कर किस तरह जानलेवा साबित हो रहा हैं,यह इस घटना ने साबित कर दिया है। ग्राम कंदाड़ी की तीन माह की गर्भवती महिला सुलाता जाड़े की अस्पताल पहुंचने से पहले ही नदी के बीच नाव में मौत हो गई। गंभीर हालत में परिजनों ने 102 महतारी एक्सप्रेस को फोन किया,लेकिन करीब एक घंटे बाद एंबुलेंस पहुंचने की सूचना मिली। महिला की हालत बिगड़ती देखकर परिजन निजी साधन से उसे नदी किनारे लेकर आये और नाव के जरिए अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की। इसी दौरान नदी की जलधारा के बीच सुलाता की सांसें थम गई।

परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सुलाता की तबियत दो दिनों से खराब थी,16 अगस्त को छोटेबेटिया के अस्पताल में लेकर



गये थे,जंहा उसके ब्लड के जांच में पीएफ मलेरिया आया था। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर दवाई देकर,स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बड़े अस्पताल या विशेषज्ञ डॉक्टर से इलाज कराने की सलाह दी थी। इसके बाद सुलाता के परिजन उसे गांव लेकर आ गये थे। 17 अगस्त की दोपहर उसकी तबीयत अचानक ज्यादा खराब हो गई,परिजनों ने तत्काल 102 एंबुलेंस सेवा से संपर्क किया। एंबुलेंस के करीब एक घंटे बाद पहुंचने की जानकारी मिलने पर सुलाता के परिजन इंतजार नहीं कर सके। निजी वाहन से किसी तरह महिला को नदी किनारे तक लाया गया। इसके बाद नाव से नदी पार कर अस्पताल पहुंचाने की कोशिश की गई,लेकिन उफनती नदी के बीच जलधारा में

ही सुलाता ने दम तोड़ दिया। तीन माह के गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ मां की मौत से परिवार में सदमा और मातम छा गया इस घटना ने एक बार फिर बस्तर के अंदरूनी गांवों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

उफनती नदी ही बनी सबसे बड़ी बाधा
बारिश के दिनों में कंदाड़ी जैसे दूरस्थ अंचल के गांवों में लोगों के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना बड़ी चुनौती बन जाता है। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए नदी पार कर छोटे बेटिया लाना पड़ता है। ऐसे में एंबुलेंस की सुविधा और सुरक्षित नदी पार होने की व्यवस्था दोनों ही बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। सुलाता की मौत ने बारिश के मौसम में बस्तर के दूरस्थ

बनांचल के ग्रामीणों के सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी मुश्किलों को फिर उजागर कर दिया है।सोता रहा स्वास्थ्य विभाग और गंभीर मलेरिया से गर्भवती महिला की मौत हो गई,अब अपनी लापरवाही और नाकामी छुपाने के लिए महिला के परिजनों और आदिवासी परिवार पर पीएम का दबाव बना रहा है,प्रशासन जिसका विरोध महिला के परिजन और आदिवासी समुदाय कर रहा है। अब जब मीडिया में खबर वाइरल हो गई और बवाल मच जाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया और स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन की नाकामी छिपाने के लिए महिला के शव का पीएम करवाने के लिए आदिवासियों परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है,जिसका आदिवासी समुदाय विरोध कर रहा है।

एंबुलेंस में देरी की होगी जांच
महिला अस्पताल तक नहीं पहुंच पाई थी। 102 एंबुलेंस सेवा में देरी और पूरे घटनाक्रम की गहन जांच कराई जाएगी। जांच में जिस भी स्तर पर लापरवाही सामने आएगी, संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

-डॉ. संजीव वैष्णव,
खंड चिकित्सा अधिकारी पखौजूर

छुरा में आदिवासी छात्रावास परिवार ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस पखवाड़ा



विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह)। नगर के समस्त आदिवासी छात्रावास परिवार द्वारा रविवार को सांस्कृतिक भवन में विश्व आदिवासी दिवस पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज गरियाबंद के जिलाध्यक्ष नीलकंठ ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विशिष्ट उपस्थिति में मंडल संयोजक लोमश ध्रुव, समाजसेवी शीतल ध्रुव, अधीक्षक कुलेश्वर मरकाम, अधिवक्ता कु. भावना ध्रुव, तुलेश्वरी कंवर, सपना कंसारी, रोहित नेताम एवं नीलिमा यादव सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा आदिवासी समाज के पुरखादेव, जननायक-

नायिकाओं के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना एवं बड़ादेव की आरती के साथ किया गया। अतिथियों का स्वागत कु. पूनम ध्रुव, गजेंदी, मेघा, कामिनी, कमलेश एवं चुमेस द्वारा पीला चावल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास की छात्राओं ने अतिथि स्वागत के साथ मनमोहक आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद छात्रावास परिवार द्वारा आदिवासी सामूहिक नृत्य, सरगुजा नृत्य, बस्तर नृत्य, कमार नृत्य, सरहुल नृत्य सहित गोंडी एवं विभिन्न आदिवासी गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अधीक्षक कुलेश्वर मरकाम ने

कार्यक्रम के उद्देश्य एवं आयोजन की जानकारी दी। इस अवसर पर सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा अधीक्षकगण को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि नीलकंठ ठाकुर ने विद्यार्थियों को शिक्षा, संस्कार एवं अनुशासन के साथ अपने समाज और संस्कृति के प्रति गौरव की भावना बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज एवं राष्ट्र के विकास की सबसे मजबूत आधारशिला है। विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत और लगन के साथ आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति, प्रकृति संरक्षण एवं सामाजिक एकता के

छान्दनपुर में किसानों के खेतों से मोटर पंप व केबल वायर चोरी, पुलिस से कार्रवाई की मांग

विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। समीपस्थ ग्राम छान्दनपुर एवं आसपास के क्षेत्रों में किसानों के खेतों से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने की लगातार घटनाओं से किसान बंधु परेशान हैं।

इस संबंध में ग्राम छान्दनपुर के दर्जनों किसानों ने 13 अगस्त 2026 को बसना थाना प्रभारी के नाम शिकायत पत्र सौंपकर अज्ञात चोरों के खिलाफ जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

किसानों की शिकायत के अनुसार विगत 11 अगस्त की रात किसान फगुलाल पटेल पिता स्व. जोताराम पटेल के खेत से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी हो गई। इसी रात किसान संतराम पटेल पिता स्व.



अवधराम पटेल के खेत से केबल वायर चोरी हुई थी। वहीं किसान उदयम पटेल पिता ग्रहण पटेल के खेत से भी केबल वायर चोरी होने की शिकायत की गई है।

किसान लालमणि भोई पिता स्व. निलेश्वर भोई के खेत से केबल वायर के साथ स्टार्टर, आटो एवं सर्किट चोरी होने की बात भी आवेदन में कही गई है।

इसी प्रकार किसान जाधव भोई पिता स्व. लखो भोई के खेत से मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने तथा किसान फगुलाल पटेल पिता स्व. जोताराम पटेल के खेत से भी केबल वायर चोरी होने का उल्लेख किया गया है।

मोटर पंप एवं केबल वायर चोरी होने की घटना का उल्लेख किया गया है।

अवैध शराब के खिलाफ धमतरी पुलिस की तीन अलग-अलग प्रकरणों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई
विश्व केसरी■

धमतरी (राजशेखर नायर)। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा शांति घाट नहर नाका के पास धमतरी में आरोपी गोविंद यादव पिता गणेश राम, उम्र 39 वर्ष, निवासी बनिया तालाब, धमतरी को अवैध रूप से शराब परिवहन करते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 20 नग देशी प्लेन शराब, 15 नग मसाला शराब एवं 01 स्कूटी बरामद की गई। बरामद शराब की कीमत 50,000/-, बिक्की रकम 53,100/- सहित कुल संपति 53,100/- जब्त कर आरोपी के विरुद्ध थारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही कर आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

सांसद रूपकुमारी चौधरी भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त, दीपक म्हरके को सोशल मीडिया की कमान विधायक रोहित साहू ने दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी■
राजिम (शेखर मिश्रा)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के विस्तार में छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने महासमुंद्र संसदीय क्षेत्र की सांसद और पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके साथ ही पार्टी के डिजिटल एवं संचार ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए दीपक म्हरके को राष्ट्रीय सोशल मीडिया संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। विधायक रोहित साहू ने नई जिम्मेदारी मिलने

होगा। रूपकुमारी चौधरी जी के नेतृत्व से देशभर में महिला कार्यकर्ताओं का मनोबल मजबूत होगा। इसी तरह लंबे समय से पार्टी के डिजिटल अभियानों और ऑनलाइन रणनीतियों से जुड़े रहे सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हरके की नियुक्ति से राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की डिजिटल नीतियों और जनसंचार माध्यमों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। विधायक रोहित साहू ने आगे बताया कि इस दोनों की नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा और महासमुंद्र लोकसभा के लिए गौरव की बात है।

पथरला विद्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया

विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। ग्रामोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पथरला में 80 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्ष उल्लास से मनाया गया। शाला विकास समिति के अध्यक्ष हेमकुमार गडुतिया ने झंडा फहराया और अपने भाषण में बताया कि हमें आजादी कैसे मिली हमारे शहीदों को याद किया। अंग्रेजों से हमारे लोगों ने कैसे कैसे लड़ाईयाँ लड़ीं।

राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् एवं राष्ट्रगान जन गण मन के साथ तिरंगे झंडे को सलामी दिया गया। प्रभात फेरी पथरला गांव के मोहल्ले में निकाली गई। पंचायत भवन में सरपंच भरत चौधरी ने झंडा फहराया



आदिवासी छात्रावास में जनपद सदस्य मिलला बहेरा व प्राथमिक कृषि सहकारी समिति में उसत प्रधान ने झंडा फहराया। विद्यार्थियों द्वारा गीत, कविता, भाषण प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमकुमार गडुतिया अध्यक्ष शाला विकास समिति ने किया। कार्यक्रम में बच्चों को पेन, कॉपी, डायरी से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे

ग्राम गोटिया संजय प्रधान,अलेख प्रधान, श्रीधर प्रधान, हेमसागर प्रधान, संदीप चंदकार, सुरेश पांडे, सुभाष बंजारा, लोकेश प्रधान, जयदेव प्रधान, सहदेव प्रधान, संध्या प्रधान, मीना प्रधान, नित्यानंद गडुतिया, शासन मंड्री, जहरीलाल गिरी, प्रदीप प्रधान, उमाकांत प्रधान, वासुदेव प्रधान, पूर्णचंद प्रधान, दयानिधि भोई, विनोद कुमार बरिहा, अभिमन्यु प्रधान भाजपा मंडल अध्यक्ष पिरदा ,विमल बहेरा, ज्योधा निषाद, ओमप्रकाश साहू, चंपकलाल चौहान एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक एवं त्रिलोक पांरेश्वर प्राचार्य एवं आसपास के गांव से आए हुए प्रबुद्ध जन व पालकगण उपस्थित हुए।

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह, देशभक्ति का दिखा जज्बा-उल्लास

विश्व केसरी■
बिलासपुर (अमित मिश्रा)। रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोटरी भवन एवं राष्ट्रीय पाठशाला में गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों स्थानों पर ध्वजारोहण के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रमों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सेवा, आपसी सद्भाव एवं राष्ट्र निर्माण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

रोटरी भवन में ध्वजारोहण
रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर के रोटरी भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रोटेरियन्स ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के वीर

सेनानियों एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने वाले असंख्य नागरिकों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन एस. पी. चतुर्वेदी, अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव ढंडारिया पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, रोटेरियन डॉ. संजय ढंडारिया पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन आशीष अग्रवाल, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश कुमार शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन अनिल अग्रवाल सहित रोटेरियन रोहित शिवहरे, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन पायल लाट, रोटेरियन आनंद खेमका, रोटेरियन सुरेंद्र गुम्बर, रोटेरियन डॉ. सी. पी. करन, रोटेरियन दीपक खंडेलवाल, रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य,



रोटेरियन एल. पी. गुप्ता, प्रेसिडेंट इलेक्ट रोटेरियन श्याम सुंदर मित्तल, रोटेरियन डॉ. पी. के. श्रीवास्तव, रोटेरियन स्वाति वर्मा, रोटेरियन किरण सिंह एवं उदयवीर सिंह बाली सहित क्लब के अनेक वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया। सभी सदस्यों ने एकजुट

होकर राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने तथा समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने रोटरी के मूल मंत्र 'Service Above Self' — स्वयं से पहले सेवा की भावना को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

राष्ट्रीय पाठशाला में विशेष स्वतंत्रता दिवस समारोह
इसके पश्चात रोटरी क्लब

रोटेरियन अमित चक्रवर्ती ने किया। समारोह के विशेष अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी रहे। भारतीय सेना में अपने अमूल्य 38 वर्षों के योगदान के लिए समर्पित एवं देश की सेवा करने वाले इस गौरवशाली पूर्व सैनिक की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। यह पूरे क्लब के लिए अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय रहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर क्लब की ओर से ऐसे वीर एवं समर्पित पूर्व सैनिक का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने जीवन के 38 महत्वपूर्ण वर्ष राष्ट्र की सेवा एवं सुरक्षा के लिए समर्पित किए। उनका अनुशासन, समर्पण, देशभक्ति एवं सेवाभाव उपस्थित

सभी लोगों, विशेषकर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा। इस अवसर पर इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन पवन नालोटिया, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज, रोटेरियन पायल लाट, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन अंकित सिंघल एवं रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य सहित अन्य रोटेरियन्स उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से प्राचार्य माणिक भट्टाचार्य, मेहता मैडम, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। इनरव्हील क्लब की पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम को गरिमा दी। बड़ाया और रोटरी परिवार के बीच सहयोग एवं fellowship की भावना को मजबूत किया।

व्यावसायियों को ट्रेड लाइसेंस बनाना अनिवार्य, लोक सेवा केन्द्रों पर उपलब्ध है सुविधा

विश्व केसरी■
जगदलपुर (अरुण पाट्टी)। राज्य शासन के द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नगर पालिक निगम जगदलपुर के अंतर्गत सभी व्यावसायियों, माल, सिनेमा हॉल, जिम, क्लिनिक, लैब, कोचिंग सेंटर, गुमटी, होटल और रेस्टोरेंट, मोटरयान व्यवसाय एवं अन्य समस्त प्रकार के व्यवसाय करने वाले व्यावसायियों को ट्रेड लाइसेंस बनाना अनिवार्य है। आयुक्त नगर पालिक निगम जगदलपुर ने इस संबंध में जारी परिपत्र में आग्रह किया है कि निगम क्षेत्र के सभी प्रकार के निजी व्यावसायी अपने निकटतम च्वाइस सेंटर से संपर्क कर वांछित समस्त दस्तावेज प्रस्तुत कर आनलाइन आवेदन अपलोड करवाने के उपरांत निर्धारित शुल्क जमा करने सहित शीघ्र ट्रेड लाइसेंस बनवा लेंगे।

वित्त वर्ष 2026 में सामान्य बीमा उद्योग 9 प्रतिशत बढ़कर 3.36 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सामान्य बीमा (जनरल इंश्योरेंस) क्षेत्र वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए 3.36 लाख करोड़ रुपए के सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम आय (जीडीपीआई) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है।
बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि निजी बीमा कंपनियों, विशेष रूप से स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन ने इस वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रिपोर्ट के अनुसार, कुल सकल लिखित प्रीमियम (जीडब्ल्यूपी) 10 प्रतिशत बढ़कर 3.44 लाख करोड़ रुपए हो गया। निजी बीमा कंपनियों ने बाजार विस्तार में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया।
वित्त वर्ष 2025-26 में निजी बीमा कंपनियों की जीडीपीआई वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों की वृद्धि 8 प्रतिशत दर्ज की गई। बीसीजी के अनुसार, बीमा कंपनियों ने इस



दौरान अपने मूल्य निर्धारण और पोर्टफोलियो रणनीतियों में बदलाव किए, जिसके चलते अंडरराइटिंग प्रदर्शन पुनर्संतुलन के दौर से गुजरा। उद्योग का संयुक्त अनुपात (कम्पाइंड रेशियो) 2 अंक बढ़कर 113 प्रतिशत पर पहुंच गया। वहीं उद्योग का कर पश्चात लाभ (पीएटी) घटकर 10,000 करोड़ रुपए रह गया, जो सालाना आधार पर 23 प्रतिशत कम है। इसी अवधि में उद्योग का इक्विटी पर प्रफित

प्रतिशत बढ़ोतरी के बावजूद नवीनीकरण-आधारित पोर्टफोलियो के कारण इसका पूरा लाभ बीमा कंपनियों को नहीं मिल पाया।

रिपोर्ट के अनुसार, अग्नि बीमा और फसल बीमा क्षेत्रों में अपेक्षाकृत सीमित वृद्धि हुई। बीमा कंपनियों ने वाणिज्यिक पॉलिसियों के नवीनीकरण में मूल्य निर्धारण अनुशासन बनाए रखा और प्रबंधन व्यय संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुरूप फसल बीमा में द्रुत की रणनीति को संतुलित किया। इससे संकेत मिलता है कि उद्योग केवल व्यवसाय की मात्रा बढ़ाने के बजाय टिकाऊ और लाभदायक वृद्धि को प्राथमिकता देने लगा है।

बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप में प्रबंध निदेशक एवं भागीदार तथा भारत बीमा प्रमुख पल्लवी मलानी ने कहा, ‘भारतीय सामान्य बीमा उद्योग लगातार बढ़ रहा है और अब यह अधिक परिपक्व चरण में प्रवेश कर रहा है।’ उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक प्रतिस्पर्धा इस बात पर होगी कि कौन-सी बीमा कंपनियां अपने बड़े कारोबार को लाभप्रद और अनुशासित अंडरराइटिंग में बदल पाने में सफल रहती हैं।

टाटा संस की एजीएम कोरम की कमी के चलते इतिहास में पहली बार स्थगित हुई

विश्व केसरी ■
मुंबई। टाटा संस की प्रस्तावित एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) मंगलवार को स्थगित कर दी गई है। यह कंपनी के इतिहास में पहला मौका है, जब टाटा संस की वार्षिक बैठक को टाल दिया गया है। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई है।
एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि एजीएम टालने की वजह कोरम की कमी होना था। कोरम, सदस्यों की वह न्यूनतम संख्या होती है जिसके होने पर ही बैठक में निर्णय लिए जा सकते हैं। सूत्रों ने आगे कहा कि यह घटनाक्रम सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) से जुड़ी एक पाबंदी से संबंधित था।
यह स्थगित बैठक ऐसे समय में हो रही है जब टाटा संस चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के अगले कार्यकाल के लिए न चुने जाने के फैसले के बाद नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर रही है। उनके इस कदम से नए



उत्तराधिकारी की पहचान की प्रक्रिया शुरू हो गई है और सर दाराबजी टाटा ट्रस्ट ने खोजबीन शुरू कर दी है। टाटा ट्रस्ट्स के प्रभाव को देखते हुए उत्तराधिकार प्रक्रिया पर कड़ी नजर रखी जाएगी, टाटा ट्रस्ट्स के पास सामूहिक रूप से टाटा संस की लगभग 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन के रूप में, नोएल टाटा टाटा संस के अगले चेयरमैन के चयन में

एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, अंतिम नियुक्ति टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन में उल्लिखित औपचारिक समिति तंत्र के माध्यम से की जाएगी।
यह बदलाव मई में हुई टाटा संस की बोर्ड बैठक में हुई बातचीत के बाद हो रहा है। इस बैठक में चंद्रशेखरन ने ग्रुप के कई नए बिजनेस जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और

एविएशन के प्रदर्शन, ग्रोथ की संभावनाओं और कैपिटल की जरूरतों के बारे में जानकारी दी थी। उस बातचीत के दौरान, नोएल टाटा ने कुछ बिजनेस में हो रहे नुकसान को लेकर चिंता जताई थी।
उत्तराधिकार की प्रक्रिया में नोएल टाटा की भूमिका ऐसे समय में सामने आई है जब वे खुद टाटा ग्रुप की कई कंपनियों में बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि नॉन-एजीक्यूटिव डायरेक्टर के लिए रिटायरमेंट के नियमों के अनुसार, 70 साल की उम्र पूरी होने पर नवंबर में वे टाटा की छह कंपनियों के बोर्ड से रिटायर होने वाले हैं।
इससे पहले अगस्त में, टाटा ग्रुप के साथ चार दशक पूरे कर चुके चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन के तौर पर अपने मौजूदा कार्यकाल के 20 फरवरी, 2027 को खत्म होने के बाद दोबारा नियुक्ति न लेने का फैसला किया और इस्तीफा दे दिया।

बाल शोषण से संबंधित सामग्री पर कार्रवाई तेज करेगा मेटा, सरकार के साथ हुई चर्चाओं के बाद उठाए सख्त कदम

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। अमेरिकी टेक दिग्गज मेटा ने भारत में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर बाल यौन शोषण सामग्री (सीएसएएम) के प्रसार और दोबारा अपलोड होने की घटनाओं को रोकने के प्रयास तेज कर दिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम केंद्र सरकार के साथ चल रही चर्चाओं के बीच उठाया जा रहा है, जिसमें अवैध सामग्री के प्रबंधन और डिजिटल मंचों की जिम्मेदारियों पर विशेष जोर दिया गया है।
एनडीटीवी प्रॉफिट ने रिपोर्ट किया कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवी) और मेटा के बीच हुई चर्चाओं का मुख्य फोकस उन अवैध सामग्रियों के प्रबंधन पर रहा है जिन्हें एक बार हटाए जाने के बाद फिर से प्लेटफॉर्मस पर साझा किया जाता है। सरकार का मानना ​​है कि केवल सामग्री हटाना पर्याप्त नहीं



है, बल्कि उसके दोबारा प्रसार को भी रोकना आवश्यक है। मेटा ने इस दिशा में कई कदम उठाने शुरू किए हैं और कंपनी विशेष रूप से सतर्क है, क्योंकि बाल यौन शोषण सामग्री भारतीय कानून के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। कंपनी ऐसे मामलों की पहचान, हटाने और पुनः अपलोड को रोकने के लिए अपनी प्रणालियों को और मजबूत कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी उन मामलों पर भी काम कर रही है, जिनमें पहले चिन्हित और हटाई जा

चुकी सामग्री किसी नए रूप या अलग माध्यम से दोबारा प्लेटफॉर्म पर दिखाई देती है। इसके लिए उन्नत तकनीकी प्रणालियों और पहचान तंत्र का उपयोग किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार ने मेटा सहित डिजिटल मंचों को स्पष्ट किया है कि यदि वे लागू भारतीय कानूनों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें ‘सेफ हारबर’ सुरक्षा का लाभ नहीं मिल सकता। यह सुरक्षा सामान्यतः डिजिटल मंचों को उपयोगकर्ताओं द्वारा साझा की

गई सामग्री के लिए सीमित कानूनी संरक्षण प्रदान करती है। हालांकि अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर सेंसरशिप लागू करना नहीं है। सरकार का मुख्य ध्यान इस बात पर है कि डिजिटल मंच भारतीय कानूनों और नियमों का पालन सुनिश्चित करें। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का मानना ​​है कि डिजिटल मंचों को सामाजिक हित और संभावित नुकसान के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए। विशेष रूप से सोशल मीडिया से जुड़ी लत (एडिक्शन), शोषणकारी सामग्री का प्रसार और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि सामग्री निगरानी और नियंत्रण नीतियां बनाते समय भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए।

मुक्त व्यापार समझौतों से भारत के निर्यात को मिल रही नई रफ्तार, नए बाजारों में बढ़ रही भारतीय उत्पादों की पहुंच



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत द्वारा हाल के वर्षों में किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) देश के निर्यात को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को जारी एक फैक्टशीट के अनुसार, नए व्यापार समझौता साझेदार देशों के साथ भारत का निर्यात लगातार बढ़ रहा है। इससे न केवल भारतीय उत्पादों की वैश्विक पहुंच बढ़ी है, बल्कि अधिक से अधिक कंपनियां इन समझौतों से मिलने वाले शुल्क संबंधी लाभों का भी उपयोग कर रही हैं।
फैक्टशीट के अनुसार, भारत के हालिया एफटीए साझेदार देशों के साथ व्यापारिक गतिविधियों में स्पष्ट वृद्धि दिखाई दे रही है। शुरुआती निर्यात लाभ, वरीयता प्राप्त मूल प्रमाणपत्र (प्रेफरेंशियल सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) के बढ़ते उपयोग और विभिन्न प्रकार के उत्पादों के निर्यात में विस्तार इस बात का संकेत हैं कि भारतीय

व्यवसाय इन समझौतों से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। सरकार का कहना है कि निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंचाने और समझौतों के तहत उपलब्ध रियायतों का लाभ दिलाने के लिए विभिन्न पहल की जा रही हैं। इन प्रयासों से छोटे और मध्यम उद्यमों को भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिल रहा है। भारत द्वारा किए गए हालिया व्यापार समझौते दुनिया के कई महत्वपूर्ण बाजारों को कवर करते हैं। इससे देश के व्यापारिक संबंधों का दायरा बढ़ा है और निर्यातकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं।
वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल वस्तु एवं सेवा निर्यात 863.1 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का माल निर्यात शामिल था। यह सहकारात्मक रुझान वर्तमान वित्त वर्ष में भी जारी है, और अप्रैल-जून 2026 के दौरान संयुक्त निर्यात 232.73 अरब डॉलर रहने का

अनुमान है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 11.37 प्रतिशत अधिक है। भारत के कुल निर्यात प्रदर्शन में एफटीए साझेदार देशों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। शुरुआती सफलता शुल्क रियायतों के उपयोग और निर्यातित उत्पादों की बढ़ती विविधता में भी दिखाई दे रही है। इससे स्पष्ट है कि भारतीय कंपनियां व्यापार समझौतों के अवसरों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही हैं।
इन देशों में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे हैं। यूएई को भारत का निर्यात 37.35 अरब डॉलर से अधिक पहुंच चुका है, जबकि ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 7.28 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गया है। यह दोनों देशों के साथ हुए हालिया व्यापार समझौतों की शुरुआती सफलता को दर्शाता है।
सरकार ने कहा कि किसी एफटीए का वास्तविक लाभ केवल समझौता होने से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी उपयोग से मिलता है।

नारियल उत्पादन में भारत सबसे आगे, वैश्विक स्तर पर हिस्सेदारी 31 प्रतिशत से अधिक

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत वैश्विक स्तर पर नारियल उत्पादन में 31.24 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ पहले और खेती के क्षेत्रफल के मामले में 17.90 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। यह जानकारी एक आधिकारिक फैक्टशीट में मंगलवार को दी गई।
भारत ने 2024-25 के दौरान 2.19 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र से 20,301 मिलियन से अधिक नारियल का उत्पादन किया। इस दौरान औसत उत्पादकता 9,249 नारियल प्रति हेक्टेयर रही।
2025-26 में बागानों की स्थापना और रखरखाव के लिए 632.77 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे दीर्घकालिक उत्पादन क्षमता बढ़ाने में मदद मिली। बयान में कहा गया कि 2024-25 के



दौरान 2,979 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र को नई फेला है और यहाँ लगभग 5,149.87 209.24 लाख रुपए का उपयोग किया गया। नारियल उत्पादन में तमिलनाडु सबसे आगे है, जबकि उत्पादकता के मामले में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिम

क्षेत्र है, जो करीब 7.54 लाख हेक्टेयर में फैला है और यहाँ लगभग 5,149.87 209.24 लाख रुपए का उपयोग किया गया। नारियल उत्पादन में तमिलनाडु सबसे आगे है, जबकि उत्पादकता के मामले में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है। इसके बाद पश्चिम

बंगाल और तमिलनाडु का स्थान है। भारत का निर्यात पोर्टफोलियो पारंपरिक उत्पादों से आगे बढ़कर वर्जिन नारियल तेल, नारियल दूध और एक्टिवेटेड कार्बन जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों तक विस्तारित हुआ है।
बयान के अनुसार, सरकार मुख्य रूप से नारियल विकास बोर्ड के माध्यम से नारियल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। 2025-26 में सीडीबी की गतिविधियों के लिए 147.21 करोड़ रुपए जारी किए गए। केंद्रीय बजट 2026-27 में स्थिरता, निर्यात और किसानों की आय को मजबूत करने के लिए नारियल संवर्धन योजना भी शुरू की गई।
बयान में कहा गया, ‘लगातार मिल रहे नीतिगत समर्थन के साथ भारत का नारियल क्षेत्र उत्पादन, मूल्यवर्धन, निर्यात और आजीविका के क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ रहा है।’

भारत का सीनियर लिविंग मार्केट 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए के पार जाने की उम्मीद

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत का सीनियर लिविंग मार्केट 2030 तक 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का होने की उम्मीद है और वरिष्ठ नागरिकों के लिए आवास की मांग करीब 30 लाख यूनिट तक पहुंच सकती है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। कोलियर्स इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, संगठित क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपलब्ध आवास की संख्या मौजूदा करीब 25,000 यूनिट से बढ़कर 2030 तक लगभग 1 लाख यूनिट हो सकती है।
रिपोर्ट में कहा गया, भारत का सीनियर लिविंग बाजार देश में सबसे आशाजनक वैकल्पिक रियल एस्टेट परिसंपत्ति वर्गों में से एक बनकर उभरा है। इसे उम्र-केंद्रित आवास की बढ़ती मांग और डेवलपर्स, हेल्थकेयर



ऑपरेटर्स और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी से समर्थन मिल रहा है। भारत के सीनियर लिविंग बाजार ने हाल के वर्षों में मजबूत गति देखी है। यह क्षेत्र वर्तमान में करीब 300 अरब रुपए का है, जो

2024 के स्तर से लगभग 70 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट ने अनुमान लगाया कि इस क्षेत्र में बाजार की पहुंच मौजूदा 1.3 प्रतिशत से बढ़कर अगले तीन से चार वर्षों में करीब 4 प्रतिशत हो सकती है।

कोलियर्स ने बाजार के आकार का अनुमान 2024 में 180 अरब रुपए, 2026 में 300 अरब रुपए, 2028 में 700 अरब रुपए और 2030 तक 1,000 अरब रुपए से अधिक लगाया है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा, परिवारों का एकल परिवारों में बदलना, आय के बढ़ते स्तर, बेहतर सेवानिवृत्ति तैयारी और स्वास्थ्य एवं कल्याण पर बढ़ते ध्यान से उम्र के अनुरूप तैयार आवासीय समाधानों की मांग बढ़ रही है।
भारत की 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की आबादी का हिस्सा वर्तमान के 11 प्रतिशत से बढ़कर 2050 तक करीब 21 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2050 तक दुनिया की करीब 2.1 अरब बुजुर्ग आबादी (60 वर्ष और उससे अधिक उम्र) में भारत का हिस्सा लगभग 16 प्रतिशत का हो सकता है।

आयुर्वेद के अष्टांग (8 प्रमुख शाखाएं)

तेल) से नियमित मालिश करे जिससे वात का शसन होता है। 3. मांसपेशियों में मजबूती होती है। 4. हल्का व्यायाम शरीर की क्षमता के अनुसार टहलना या हल्के योग अभ्यास कराए। 4. शांत वातावरण मानसिक शांति के लिए तनावमुक्त और सकारात्मक माहौल बनाये। रसायन एवं औषधीय देवभाल बलवर्धक जड़ी बूटियाँ आयुर्वेद के अनुसार (अश्वगन्धा, जैतूनी और अमलकी के औषध) शासी रसायन औषधियों का उपयोग किया जाता है। धातु वर्धक शरीर की कम्पजरी दूर करने के लिए दूध और घी आधारित आयुर्वेदिक योगों का सेवन उपयुक्त माना गया है। जरा चिकित्सा और आयुर्वेद अनुसार वृद्धों की प्रति देखभाल और उनकी जीवशैली को वृद्ध परिचर्या या जरा चिकित्सा कहा जाता है। आयुर्वेदानुसार वात पित्त कफ तीन दोष माने गए हैं। बाल्यवस्था में कफ दोष बाहुल्य, युवावस्था में पित्त दोष बाहुल्य तथा वृद्धावस्था में वात दोष बाहुल्य होता है। आयुर्वेदानुसार वृद्धावस्था में शरीर के वात दोष बढ़ जाता है और धातु क्षीण होने लगती है। इसलिए वृद्धों की विशेष शारीरिक मानसिक और अहारिय देखभाल का आवश्यकता होती है। आहार संबंधी नियम 1. पाचन योग्य भोजन हल्का ताजा गर्म और आसानी से पचने वाला भोजन है। 2. स्निग्ध और इस युक्त आहार – वात दोष को शांत करने के लिए भोजन से घी तेल और रस युक्त पदार्थों की मात्रा रखे। ओजस बढ़ाने वाला भोजन गाय का शुद्ध घी, दूध, भोजे हुए बादाम और जाते मौसमी फल शरीर को रोग प्रतिक्रोह क्षमता (पुञ्जदण्डजल) या ओजस बढ़ाता है। दिनचर्या और प्राकृतिक नियम (वंपसल स्मरिजलसम) उपसमवर्षबंस बसववा सुवहस्य सूर्योदय से पहले ब्रम्हा मुहूर्त उठना दीर्घायु की पहली सीढ़ी है। 2. अभ्यंग शरीर मालिश रोज हल्के गुनगुने तेल से शरीर की मालिश करने से हड्डियाँ और त्वचा बूढ़ी नहीं होती। 3. प्राणायाम और योग नियमित श्वास व्यायाम जैसे (अनुलोम विलोम) केफड्डे और हृदय को जवान रखता है। 4. आहार विधि विधान तंसदबमक क्पमज हमेशा भूख से थोड़ा कम खाना/पेना का 1/3 हिस्सा खाली रखे ताकि पाचन तंत्र पर दबाव न पड़े। द्रव्य रसायन दीर्घायु के लिए च्यवनप्राश अश्वगन्धा (प्यमहल) ब्राह्मी (दिमपग) और आंवला (दिमपवापकदोजे) का नियमित सेवन करना है। आचार रसायन बिना किसी दवा के केवल अच्छा आचरण, सत्य बोलना, क्रोध न करना और मानसिक शांति बनाये रखना भी उम्र बढ़ाता है। शोधन कर्म शरीर का डिटॉक्सिशन रसायन औषधियों का पूरा लाभ उठाने से पहले शरीर से विषाैले तत्वों (ज्वापदे) को निकालना जरूरी है। पंचकर्म आयुर्वेदानुसार समय समाय पर वमन विवेचन या बस्ती (एनिमा) कराने से उम्र बढ़ने की गति धीमी होती है और असमय बुढ़ापा अकलाजा जारा रूकवाता है।

कैसे चलते-फिरते हैं. पूरे दिन में 10,000 कदम चलने में घर में घूमना-फिरना, काम पर आना-जाना और खरीदारी करना जैसी गतिविधियां शामिल हो सकती हैं. वहीं 30 मिनट की नियमित एक्सरसाइज में आप जानबूझकर मध्यम या तेज तीव्रता के साथ लगातार सक्रिय रह सकते हैं. दोनों तरीकों की तुलना करने वाली रिसर्च बताती है कि दोनों ही शारीरिक गतिविधियों में मदद कर सकते हैं लेकिन दोनों अलग-अलग चीजों को मापते हैं. अगर आप 10 हजार कदम में रनिंग की करते हैं यह बहुत बेहतर है. वहीं यदि आप 30 मिनट की कठिन एक्सरसाइज करते हैं तो यह भी बहुत बेहतर है. आपके शरीर को क्या जरूरत है, इस हिसाब से यदि आप एक्सरसाइज या वॉक की रूटीन तय करेंगे तो ज्यादा बेहतर होगा.

लेकिन सफ़र सँख्या के पीछे न भागें. एक्सरसाइज की तीव्रता भी मायने रखती है. 10,000 कदम पूरे करने का मतलब यह नहीं है कि आपने 30 मिनट की एक्सरसाइज के बराबर कसरत कर ली है. कोई व्यक्ति दिनभर में 10,000 कदम पूरे कर सकता है, जबकि दूसरा व्यक्ति 30 मिनट में वास्तव में मध्यम या तेज तीव्रता वाली एक्सरसाइज कर सकता है।

मुंबई पहुंचे अमेरिकी राजदूत गोर ने की सीएम फडणवीस से मुलाकात, भारत-यूएस संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■
मुंबई। भारत में अमेरिका के राजदूत ने मंगलवार को मबारष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। गोर मुंबई में आयोजित इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) राष्ट्रीय सम्मेलन 2026 में शामिल हुए। सीएम फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सर्जियो संग मुलाकात की जानकारी दी। तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ' मुंबई पहुंचे भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करते हुए खुशी हुई। हमने भारत-यूएस संबंधों को मजबूत करने और बेहतर सहयोग के मौके तलाशने पर अच्छी चर्चा की।

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) नेशनल कन्वेंशन 2026 को गोर ने संबोधित भी किया। इस सम्मेलन का मुख्य विषय 'रीडिफाइनिंग द इंडिया-यूएस कॉम्प्रोहेंसिव स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप' (भारत-



अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी को पुनर्परिभाषित करना) है। गोर ने इस सम्मेलन को खास बताया। उन्होंने कहा, 'सच में हम समय की एक खास दहलीज पर खड़े हैं। सिर्फ दो दशकों में, हमारे द्विपक्षीय व्यापार ने रिकॉर्ड तोड़

कहा, 'चाहे वह एआई हो, टेक्नोलॉजी हो, एयरोस्पेस हो, डिफेंस हो, या एनर्जी हो, दोनों देश रिकॉर्ड स्तर पर मिलकर काम कर रहे हैं, बाकी दुनिया से हम आगे हैं। यह गहरे, अटूट भरोसे को दिखाता है। 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का हमारा साझा मकसद हमारे सामने मौजूद मौके के बड़े पैमाने को दिखाता है। यह बेजोड़ क्षमता दर्शाता है।'

गोर के अनुसार, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत पर पूरा भरोसा है। आगे बोले, 'राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर भरोसा करते हैं, और उन्होंने पहले दिन से ही इस रिश्ते को बरकरार रखने पर काफी मेहनत की। अपने दूसरे दौर के कुछ ही हफ्तों में, उन्होंने और पीएम मोदी ने एक भरोसे की पहल शुरू की, जिससे रिश्ते बदल गए और एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, डिफेंस और जरूरी चीजों में कोऑपरेशन को तेज करने के लिए स्ट्रेटजिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया।

ओपीकॉन को लेकर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति बोले- हमें अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करने की जरूरत

विश्व केसरी■
सोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि उनका देश आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता को मजबूत करने पर ज्यादा जोर देगा। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उनका प्रशासन दक्षिण कोरियाई सेना का युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण (ओपीकॉन) अमेरिका से वापस लेने की दिशा में आगे बढ़ेगा। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, ली ने कैबिनेट की बैठक में कहा, 'ओपीकॉन का हस्तांतरण मेरे कार्यकाल के दौरान पूरा किया जाना चाहिए। ली का वर्तमान कार्यकाल 2030 में समाप्त होगा। उन्होंने कहा, दक्षिण कोरिया को अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करनी होगी, लेकिन यह कदम अमेरिका के साथ मजबूत सैन्य गठबंधन के समानांतर आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रपति ने अधिकारियों को परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हासिल करने की परियोजना में तेजी लाने



का भी निर्देश दिया। उनके मुताबिक, स्वतंत्र रक्षा क्षमता और अमेरिका-दक्षिण कोरिया गठबंधन एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच युद्धकालीन परिचालन नियंत्रण की व्यवस्था लंबे समय से दोनों देशों के सैन्य गठबंधन का अहम हिस्सा रही है। ओपीकॉन का हस्तांतरण होने पर युद्ध की स्थिति में संयुक्त बलों का नेतृत्व करने के दक्षिण कोरिया की भूमिका और जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। ली की यह घोषणा ऐसे समय हुई है जब दक्षिण

कोरिया और अमेरिका का वार्षिक 'उलची फ्रीडम शोल्ड' सैन्य अभ्यास चल रहा है। यह अभ्यास 27 अगस्त तक चलेगा और इसका एक उद्देश्य संभावित उत्तर कोरियाई हमले की स्थिति में दोनों देशों की संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना तथा दक्षिण कोरिया की संयुक्त बलों का नेतृत्व करने की क्षमता को परखना है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में बड़ी कटौती का निर्देश दिया है। पेंटागन ने कहा है कि वह ट्रंप के निर्देश को लागू करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था और ओपीकॉन हस्तांतरण की प्रक्रिया पर भी नजरें टिक गई हैं। ली सरकार का जोर ऐसे समय में अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने पर है जब उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम लगातार चिंता का विषय बने हुए हैं।

संक्षिप्त खबर पीओके में उड़ाई जा रही मानवाधिकारों की धज्जियां, उठे सवाल

विश्व केसरी■
इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मानवाधिकारों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हुकुमत से इस बेहद गैर जिम्मेदाराना और क्रूर हमलों को लेकर लोगों में काफी गुस्सा है। इस बीच, यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) ने पाकिस्तानी सेना के बढ़ते अत्याचारों का और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचा है। यूकेपीएनपी ने इस इलाके में आम लोगों की मौत, मनमानी गिरफ्तारी, लोगों को अगवा करने, कम्प्यूनिकेशन ब्लैकआउट, आने-जाने पर रोक और शांति से काम करने वाले राजीनितक कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार रक्षकों के खिलाफ सजा देने की खबरों पर गहरी चिंता जताई। पीओके में पाकिस्तानी सेना द्वारा आम लोगों पर किए जा रहे अत्याचारों पर रोशनी डालते हुए, संगठन ने कहा, 'न्यायेतर हत्याओं, लोगों को अगवा करने, यातना, गैर-कानूनी हिरासत, अत्यधिक बल प्रयोग, और घरों, दुकानों, बिजनेस और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या तोड़फोड़ के आरोपों की स्वतंत्र रूप से जांच होनी चाहिए। आपराधिक कार्यों में लिप्त लोगों को भरोसेमंद और निष्पक्ष कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।' यूकेपीएनपी ने संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक समुदाय से अपील की कि वे पाकिस्तान को पीओके में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और आम लोगों के खिलाफ 'अत्यधिक बल प्रयोग' करने से रोकें। उन पर दबाव डाला जाए।



बांग्लादेश में पुलिस ने पत्रकार को पीटा, मानवाधिकार संगठनों ने कार्रवाई की उठाई मांग

विश्व केसरी■
पेरिस। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पुलिसकर्मियों द्वारा एक पत्रकार के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ कर्मियों ने पुलिस वैन में ले जाकर पत्रकार को पीटाई की। इस मुद्दे को मानवाधिकार संगठन ने प्रेस की आजादी पर हमला करार दिया है। कथित तौर पर पत्रकार ने पुलिसकर्मियों को एक महिला के साथ मारपीट करते हुए देखा और घटना का वीडियो बनाने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे जबरन पुलिस वैन में ले जाकर पीटा। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन सिस्टिम मेकर्स बांग्लादेश इन फ्रांस (जेएमबीएफ) ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से जेएमबीएफ ने बताया, 'यह घटना इसी महीने ढाका के बिजॉय सगनी चौहरे पर हुई। ग्लोबल टेलीविजन के पत्रकार बुलबुल हुसैन वहां इस्लामी छात्र शिबिर और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की कवरेज के लिए जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर कुछ पुलिसकर्मियों को एक महिला के साथ मारपीट करते देखा। बांग्लादेशी दैनिक ढाका ट्रिब्यून से बातचीत में बुलबुल ने बताया कि उन्होंने पत्रकारिता के दायित्व के तहत घटना को कैमरे में रिकॉर्ड करना शुरू किया। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उनसे वीडियो डिलीट करने को कहा।



जापान नई डील के तहत ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट कर पाएगा अपने हाइपरसोनिक मिसाइल

विश्व केसरी■
कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच रक्षा सहयोग को लेकर डील हुई है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा है कि जापान आने वाले दशक में ऑस्ट्रेलिया की मिसाइल परीक्षण रेंज का इस्तेमाल अपने विभिन्न मिसाइल कार्यक्रमों के परीक्षण के लिए कर सकता है। इनमें जापानी हाइपरसोनिक मिसाइल भी शामिल होंगे।

मार्ल्स ने मंगलवार को कैनबरा में जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी के साथ मुलाकात के बाद कहा कि दोनों देश इस दिशा में एक बेहतर और विस्तारित सहयोग पर बातचीत आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत जापान को विभिन्न प्रकार की मिसाइल क्षमताओं के परीक्षण के लिए ऑस्ट्रेलिया की रेंज उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें जापान का हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम भी शामिल है। जापानी रक्षामंत्री ने इसका स्वागत किया। उन्होंने कहा, अगर जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्स ऑस्ट्रेलिया में



हाइपरसोनिक मिसाइलों जैसी स्टैंडऑफ मिसाइलों का टेस्ट लॉन्च कर पाती है, तो यह एक बहुत बड़ी घटना होगी। यही वजह है कि हम इस मकसद को पूरा करने के लिए बातचीत तेज करेंगे। वहीं, मार्ल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और जापान के बीच रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में दोनों देशों के बीच सैन्य तकनीक और क्षमताओं के क्षेत्र में सहयोग बढ़ सकता है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब जापान अपनी रक्षा क्षमताओं को तेजी से

मजबूत कर रहा है। क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों और उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रम के बीच टोक्यो लंबी दूरी की मिसाइलों और हाइपरसोनिक हथियारों समेत आधुनिक सैन्य प्रणालियों पर जोर दे रहा है।

ऑस्ट्रेलिया भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने रक्षा साझेदारों के साथ सैन्य सहयोग बढ़ा रहा है। जापान के साथ मिसाइल परीक्षण सुविधाओं को साझा करना दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को एक नए स्तर पर ले जा सकता है।

अफगानिस्तान में स्कूल के बाहर ब्लास्ट, कई लोग घायल

विश्व केसरी■
काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के पश्चिमी हिस्से में एक निजी स्कूल के बाहर हुए ब्लास्ट में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जदरान ने सोमवार रात इसकी पुष्टि की।

खालिद जदरान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही संबंधित टीमें मौके पर पहुंच गईं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ब्लास्ट उस समय हुआ जब छात्र स्कूल से छुट्टी के बाद बाहर निकल रहे थे। घायलों में ज्यादातर लड़कियां शामिल हैं। एक चरमदीय ने बताया कि लगभग 30 घायलों को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया है। इससे पहले जून में अफगानिस्तान के दक्षिणी प्रांत हेलमंद में युद्ध के समय के बचे हुए दो विस्फोटक



उपकरणों के फटने से एक बच्चे की मौत हो गई थी और 6 अन्य घायल हुए थे। इसकी जानकारी प्रांतीय सूचना और संस्कृति निदेशक मुल्ला अब्दुल बारी रशीद ने दी थी। पहली घटना सगिन जिले में हुई। यहां तीन मासूम बच्चों को खिलौने जैसा एक सामान मिला और वे उससे खेलने लगे। तभी वह फट गया। इस हादसे में एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। दूसरी घटना उसी दिन उसी जिले में कुछ घंटे बाद हुई, जिसमें 4 बच्चे घायल हुए। अधिकारी ने ज्यादा जानकारी नहीं दी। 2 जून को पूर्वी अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में भी युद्ध के समय का एक बचा हुआ विस्फोटक फटने से एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया था। प्रांतीय पुलिस कार्यालय के बयान के अनुसार, यह घटना गिलांन जिले में हुई। यहां एक लड़के को खिलौने जैसा सामान मिला और वह उससे खेलने लगा, तभी वह फट गया। अफगानिस्तान को दुनिया के सबसे ज्यादा बारूदी सुरंगों वाले देशों में गिना जाता है।

मास्को पर यूक्रेन का दो वर्षों में सबसे बड़ा ड्रोन हमला, 620 यूएवी से निशाना

विश्व केसरी■
मास्को। रूस की राजधानी मास्को पर यूक्रेन ने बड़ा ड्रोन हमला किया है। ये पिछले दो वर्षों में किया गया सबसे बड़ा हमला बताया जा रहा है। शहर के मेयर सर्गेई सोब्यानिन ने मंगलवार को बताया कि सोमवार शाम से मंगलवार सुबह पांच बजे तक मास्को क्षेत्र की ओर 620 मानवरहित विमान पहुंचे, जिनमें से 180 को रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने नष्ट कर दिया।

सोब्यानिन ने कहा, 'जहां ड्रोन का मलबा गिरा उन स्थलों पर आपातकालीन दल काम कर रहे हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमले में किसी के हाताहत होने या बड़े पैमाने पर नुकसान की तत्काल जानकारी नहीं है। हवाई हमले के खतरे को देखते हुए मास्को के वनूकोवो, शुकोव्स्की और डोमोडेदोवो हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। वहीं, शेरैमेत्येवो हवाई अड्डे



पर भी आंशिक प्रतिबंध लगाए गए। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी। मास्को पर ड्रोन हमले का पिछला रिकॉर्ड रविवार रात बना था, जब करीब 600 ड्रोन के जरिए रूसी राजधानी को निशाना बनाए जाने की सूचना मिली थी। महज दो दिनों के भीतर यह दूसरा बड़ा ड्रोन हमला है, जिससे रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में हवाई हमलों की तीव्रता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इससे पहले 12 अगस्त

को यूक्रेनी ड्रोन हमले में रूस के नोवोरोसिस्क शहर में तीन लोगों की मौत और आठ अन्य के घायल होने की सूचना मिली थी। क्रास्नोडार के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रालेव ने इसकी पुष्टि की थी। हमले के बाद नोवोरोसिस्क के मेयर आंद्रैई क्रावचेंको ने आपातकाल की स्थिति घोषित की थी। ड्रोन हमले में कई शैक्षणिक संस्थानों को नुकसान पहुंचा था और पानी की दो मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थीं।

इंडोनेशिया के सुमात्रा में 6.1 तीव्रता का भूकंप

विश्व केसरी■
जकार्ता। इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में नियास द्वीप के पास मंगलवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। सिंधुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, जान माल के नुकसान की तुलना कोई खबर नहीं मिली। एजेंसी ने बताया कि भूकंप दोपहर 1:02 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया, जिसका केंद्र साउथ नियास रीजेंसी से लगभग 147 किमी दक्षिण-पूर्व में 29 किमी की गहराई पर था। इसने आगे कहा कि भूकंप से सुनामी आने का खतरा नहीं था। यह इस महीने की शुरुआत में आए एक और तेज भूकंप के बाद आया है।इंडोनेशिया के ईस्ट नुसा



तेंगारा (एनटीटी) प्रांत में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। जिसमें जान माल का काफी नुकसान हुआ था। नेशनल डिजार्स्टर मैनेजमेंट एजेंसी (बीएनपीबी) यानी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 68 हो गई है। बीएनपीबी के प्रिंसेशान डिप्टी अड्डुल मुहरी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, 'मोमंगराई रीजेंसी में

26, ईस्ट मोंगराई में 24, नागेकेओ में आठ, सिक्का में चार, और एंडे, वेस्ट मोंगराई और नगाडा में दो-दो लोगों की मौत हुई जबकि 213 अन्य घायल हुए हैं।' भूकंप के बाद से कम से कम 1,576 आपत्स्थानिक रिकॉर्ड किए गए थे। आदेश के अनुसार, भूकंप का केंद्र नागेकेओ रीजेंसी में म्बे से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में 15 किमी की गहराई पर था।

वेनेजुएला में जून में आए दोहरे भूकंप से अब तक 6,438 लोगों की मौत

विश्व केसरी■
कराकस। वेनेजुएला की सरकार ने 24 जून को आए दोहरे भूकंप से हुई मौतों के आधिकारिक आंकड़े को अपडेट करते हुए बताया है कि मृतकों की संख्या बढ़कर 6,438 हो गई है। पिछले सप्ताह जारी किए गए आंकड़े की तुलना में मृतकों की संख्या में 137 का इजाफा हुआ है। सरकार की ओर से सोमवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, भूकंप से प्रभावित परिवारों को अब तक 335 घर सौंपे जा चुके हैं। इसके अलावा, देशभर में 59,109 इमारतों का निरीक्षण किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे रहने के लिए सुरक्षित हैं या नहीं। जिन इमारतों का आकलन किया गया, उनमें से 34,680 को रहने योग्य पाया गया है, जबकि 13,733 इमारतों को प्रतिबंधित पहुंच वाली श्रेणी में रखा गया है। वहीं, 10,696



इमारतों को उच्च जोखिम वाली इमारतों के रूप में चिन्हित किया गया है। इससे पहले जारी अपडेट में बताया गया था कि भूकंप से प्रभावित परिवारों को 287 से अधिक घर उपलब्ध कराए जा चुके हैं और देशभर में 43,679 इमारतों का मूल्यांकन किया गया है। वेनेजुएला सरकार ने इमारतों की रहने योग्य

स्थिति का आकलन करने के लिए ट्रैफिक-रूप में चिन्हित किया गया है। इसके तहत हरे रंग का टैग उन इमारतों को दिया जाता है जिन्हें रहने के लिए सुरक्षित माना गया है। पीले रंग का टैग प्रतिबंधित पहुंच वाली इमारतों के लिए है, जबकि लाल रंग का टैग उन इमारतों पर लगाया जाता है

जिन्हें उच्च जोखिम वाला माना गया है और जिन्हें गिराया भी जा सकता है। 24 जून को वेनेजुएला में 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप आए थे। इन दोनों भूकंपों के केंद्र क्रमशः पश्चिमी राज्य याराकुय और मध्य राज्य ला गुआइरा में थे। तटीय राज्य ला गुआइरा में इन दोनों भूकंपों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पहले की जानकारी के अनुसार, यहां 10,981 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। राजधानी कराकस में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग आश्रय स्थलों में हैं। इस बीच, वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज ने हाल ही में आए भूकंपों के पीड़ितों की मदद के लिए 28 देशों की ओर से उपलब्ध कराई गई मानवीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कराकस में एक संग्रह केंद्र का निरीक्षण करने के बाद यह बात कही।

सैलून व मोची दुकान की आड़ में चल रहे अवैध सट्टा कारोबार का पुलिस ने किया भांडाफोड़!

आरोपियों से सट्टा पट्टी एवं कुल नगदी रकम 1510 रुपए जप्त

विश्व केसरी■
कसडोल (प्रवीण डोमने)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में अवैध जुआ, सट्टा एवं असामाजिक गतिविधियों पर पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशों के तहत थाना कसडोल पुलिस द्वारा बाजार चौक कसडोल क्षेत्र में सघन चैकिंग अभियान चलाकर सट्टा-पट्टी लिखने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई है।
मामला 01: सैलून दुकान में सट्टा लिखते पकड़ाया संचालक (अपराध क्रमांक 310/2026)- दिनांक 17/08/2026 को गश्त एवं टाउन पेट्रोलिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बाजार चौक कसडोल स्थित सखा सैलून का संचालक अवैध रूप से



पैसें का दांव लगवाकर सट्टा-पट्टी लिख रहा है। पुलिस टीम द्वारा तत्काल घेराबंदी कर दबिश दी गई, जहां सैलून संचालक सखाराम श्रीवास को रंगे हाथों सट्टा-पट्टी लिखते पकड़ा गया।
जन्ती: 02 नग सट्टा-पट्टी, 01 नग

डाट पेन एवं नगदी रकम 830 रुपए।
आरोपी: सखाराम श्रीवास पिता रामगोपाल निवासी वार्ड क्रमांक 12 बगदेवी पारा कसडोल थाना कसडोल (अपराध क्रमांक) **मामला 02:** मोची दुकान की आड़ में सट्टा-पट्टी खिलाने पकड़ाया आरोपी (अपराध क्रमांक) का दांव लगवाकर अवैध सट्टा खिला रहा था।
जन्ती: 01 कोरा कागज (सट्टा-पट्टी लिखा हुआ), 01 नग डाट पेन एवं नगदी रकम 7680।
आरोपी: रामचरण मिरी पिता असनीद, थाना कसडोल।
वैधानिक कार्रवाई:- दोनों मामलों में आरोपियों का कृत्य छत्तीसगढ़ राज्य जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 06 के तहत दंडनीय अपराध पाए जाने पर थाना कसडोल में पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। मामले में सलिस अन्य आरोपियों की पतातलाश जारी है। प्रकरण विवेचना में है।

रूपकुमारी चौधरी को भाजपा ने सौंपी देशभर की नारी शक्ति की कमान

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह)। महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी को भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर पूरे महासमुंद लोकसभा क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है। छत्तीसगढ़ की बेटी को भाजपा संगठन में देशभर की महिला शक्ति का नेतृत्व करने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने से भाजपा कार्यकर्ताओं, महिला मोर्चा की पदाधिकारियों और समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मंगलवार को नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के नेतृत्व में नगर पंचायत के पार्षदों ने सांसद निवास बसना पहुंचकर रूपकुमारी चौधरी से मुलाकात की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।
इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने कहा कि रूपकुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और



महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी संगठनात्मक क्षमता, जनसेवा के प्रति समर्पण, कार्यकर्ताओं से जुड़ाव, महिलाओं के बीच उनकी सक्रियता और मजबूत नेतृत्व क्षमता पर विश्वास जताते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। निश्चित रूप से उनके अनुभव और कुशल नेतृत्व से महिला मोर्चा को देशभर में नई दिशा और नई ऊंचाई मिलेगी।
उन्होंने कहा कि रूपकुमारी चौधरी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति के लिए गर्व

और प्रेरणा का विषय है। महासमुंद लोकसभा की जनता के लिए यह बेहद गौरव की बात है कि यहां से निर्वाचित सांसद को आज पूरे देश की महिलाओं से जुड़े सबसे बड़े संगठनों में से एक की जिम्मेदारी संपालने का अवसर मिला है। इससे छत्तीसगढ़ की महिलाओं का सम्मान और मनोबल दोनों बढ़ा है। निषाद ने कहा कि आज महिलाएं देश के विकास में कंधे से कंधा मिलाकर अपनी भूमिका निभा रही हैं। राजनीति से लेकर प्रशासन, शिक्षा, चिकित्सा, खेल, उद्योग, विज्ञान, कृषि और सामाजिक क्षेत्र तक महिलाओं ने अपनी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया है।

संक्षिप्त खबर

जीवन यादव को यादव समाज युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया

विश्व केसरी■
नगरी (राजशेखर नायर)। यादव समाज जिला धमतरी का कार्यकारिणी बैठक ग्राम बनरौद में रखा गया, जिसमें समाज के विकास तथा सामाजिक गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें युवा प्रकोष्ठ के वर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश यादव (डी के यादव) को सामाजिक अनुशासनहीनता पाए जाने के कारण जिला धमतरी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष पद को समाप्त कर दिया गया। सर्वसम्मति से गोरेगांव के उपसरपंच जीवन यादव को जिला युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। जिसमें जिला अध्यक्ष मनराखान यादव चिखली, उपाध्यक्ष गनेश यादव गुडुंगरी, अंकालू यादव, गोबरा गोवर्धन यादव पांडरवही, चिरंजीव यादव, योगेश यादव, मनू यादव, जसवंत यादव, पतिराम यादव, जौनल यादव, प्रकोष्ठ खेमिन यादव एवं जिला कार्यकारिणी सभी सदस्य उपस्थित थे।

नगर पंचायत नगरी में शान से लहराया तिरंगा

विश्व केसरी■
नगरी (राजशेखर नायर)। स्वतंत्रता दिवस का पर्व नगर पंचायत नगरी में बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। नगर में पुरानी परंपरा का निर्वाहन करते हुए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा ध्वजारोहण कर देश की आन-बान-शान तिरंगे को सलामी दी गई। नगर पंचायत कार्यालय में नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा ने ध्वजारोहण किया। वहीं नगर के बस स्टैंड में नगर पंचायत उपाध्यक्ष विकास बोहरा द्वारा तिरंगा फहराया गया। दैनिक बाजार में पार्षद अश्वनी निषाद एवं नरेश पटेल ने ध्वजारोहण किया। गांधी बाल उद्यान में पार्षद चेलेश्वरी साहू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसी क्रम में राजा बड़ा गांधी मैदान में नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा, पार्षद यशकरण पटेल एवं डोशवरी साहू द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं बच्चों ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को सलामी दी और देश की एकता एवं अखंडता का संकल्प लिया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई। हाथों में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा लिए नगरवासियों एवं स्कूली बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भारत माता के जयकारे लगाए। पूरे नगर में देशभक्ति का माहौल नजर आया और आजादी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

साल्हेतराई विद्यालय में हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया 80 वां स्वतंत्रता दिवस

विश्व केसरी■
बसना (अशोक प्रधान)। पिथौरा विकास खण्ड अन्तर्गत शासकीय हाई स्कूल साल्हेतराई में स्वतंत्रता दिवस का समारोह बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह गांव में प्रभात फेरी निकाली गई। तत्पश्चात ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी गई। एवं राष्ट्रगान के साथ गगन भेदी नारे लगाए गए। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूतपूर्व प्रधान पाठक अयोध्या प्रसाद मिश्रा विराजमान रहे तथा अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामलाल मलिक ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के वंदना के साथ हुआ। स्वागत भाषण वरिष्ठ व्याख्याता जे पी तांडी ने दिया। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच ग्राम



खुर्सीपहार श्रीमती कल्याणी कमल प्रधान, परमानंद पंडा, शिक्षाविद, ग्राम पंचायत के पंचगण, शाला विकास समिति के पदाधिकारी गण, गणमान्य नागरिक गण, शिक्षक, शिक्षिकाएं, आंगनबाड़ी की सहायिका, रसोईया एवं स्वीकार उपस्थित रहे। बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया और खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम को सफल बनाने में

विधायक रोहित साहू ने पिपरछेड़ी को दी ग्राम सदन की सौगात

विश्व केसरी■
राजिम (शेखर मिश्रा)। ग्राम पंचायत सेम्हरतरा-पिपरछेड़ी में ग्राम सदन लोकार्पण गरिमामय समारोह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू जी उपस्थित रहे। अपने गृह ग्राम पहुंचने पर ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने बाजे-गाजे, पुष्पहार और आतिशबाजी के साथ विधायक का अत्यंत भावुकता से स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत के सरपंच एवं अध्यक्ष हरीश साहू ने की। इस अवसर पर पिपरछेड़ी स्थित नवनिर्मित ग्राम सदन भवन में पट्टिका का अनावरण कर विधिवत लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक रोहित साहू ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि जिस माटी में मैं खेला-कूदा और पला-बढ़ा हूँ, आज



जनप्रतिनिधि के रूप में उसी मातृभूमि और अपने परिजनों की सेवा करने का अवसर मुझे मिला है। गृहग्राम का स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। गांव का सर्वांगीण विकास, हर ग्रामीण तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ बनाना मेरी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने आगे कहा कि ग्राम सदन भवन के बन जाने से गांव की बैठकों, सामाजिक-सांस्कृतिक आयोजनों और अन्य गतिविधियों के संचालन में अपार गुणमत्ता आएगी। विधायक ने

की जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। उनके कुशल मार्गदर्शन और सहयोग से हमारी पंचायत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान सभी अतिथियों ने नाग पंचमी के अवसर पर बारह नाग देवताओं की पूजा अर्चना की। समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को बढ़ावा देने हेतु विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के सुपरहिट पंडवानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कलाकारों द्वारा महाभारत के प्रसंगों पर जीवंत प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में नंद जी साहू उपसरपंच, ग्राम पंचायत पिपरछेड़ी, मंशा राम साहू अध्यक्ष, ग्राम विकास समिति, मंशा रामखान लाल साहू, कोषाध्यक्ष, ग्राम विकास समिति साथ ही गांव के वरिष्ठ नागरिक एवं गणमान्य जन विष्णु राम साहू, किशलाल साहू, ईश्वर लाल साहू, पन्ना लाल निर्मलकर आदि उपस्थित थे।

भारी बारिश के बीच छुरा नगर में निकली भव्य कांवड़ यात्रा, 12 शिवलिंगों में हुआ जलाभिषेक

विश्व केसरी■
छुरा (मानसिंह)। बोल बम सेवा समिति के तत्वावधान में पवित्र सावन मास के तृतीय सोमवार एवं नारायणचमी के पानन अवसर पर छुरा नगर में भव्य कांवड़ यात्रा श्रद्धा, उत्साह और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। लगातार रह रही बारिश भी शिवभक्तों के कदम नहीं रोक सकी। श्रद्धालु पूरे जोश और उत्साह के साथ 'बोल बम' एवं 'हर-हर महादेव' के जयघोष लगाते हुए यात्रा में भाग बढ़ते रहे। उनकी अटूट आस्था और भक्ति से पूरा छुरा नगर शिवमय हो उठा। बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर नगर भ्रमण पर निकले और नगर के प्रमुख 12 शिवलिंगों में जलाभिषेक किया।

डीजे पर गूंजते शिवभक्ति गीतों और जयघोष से नगर की गलियां भक्तिमय हो गईं।
12 शिवलिंगों में हुआ जलाभिषेक
कांवड़ यात्रा का शुभारंभ सुखा नदी एनीकट किनारे स्थित सुखेश्वर महादेव में विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक के साथ हुआ। इसके बाद कांवड़ियों का जत्था साखेश्वर महादेव (मामूलीपारा) पहुंचा, जहां पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु आगे बढ़े। इसके पश्चात कांवड़ यात्रा संतोपेश्वर महादेव (संतोषीपारा), थानेश्वर महादेव (पुलिस थाना परिसर) होते हुए छुरेश्वर महादेव (रवणभाटा परिसर) पहुंची। इसके बाद श्रद्धालुओं ने नागेश्वर महादेव



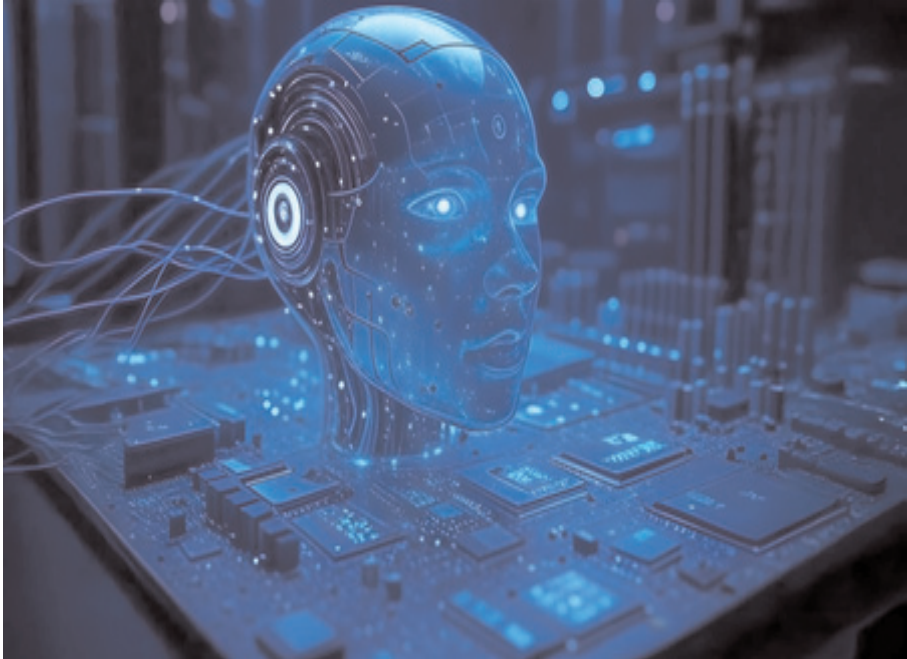
(शिक्षक कॉलोनी) में पूजा-अर्चना की। आगे कांवड़ियों का जत्था हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी स्थित त्रिलोकेश्वर महादेव पहुंचा, जहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद लिलेश्वर महादेव (लीलाबाई हॉस्पिटल परिसर), विद्युतेश्वर महादेव (बिजली विभाग परिसर), वनेश्वर महादेव (वन विभाग परिसर) एवं शिवेश्वर महादेव (शिव चौक) में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक किया। अंत में कांवड़ यात्रा मानस मंदिर परिसर स्थित यज्ञेश्वर महादेव पहुंची। यहां सभी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। इसके बाद भव्य महाआरती का आयोजन हुआ और श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। महाआरती

एवं प्रसाद वितरण के साथ कांवड़ यात्रा का समापन हुआ।
धार्मिक झांकी ने मोहा मन
कांवड़ यात्रा में स्कूली बच्चों ने भगवान महादेव एवं माता पार्वती का रूप धारण कर आकर्षक धार्मिक झांकी प्रस्तुत की। बच्चों की सुंदर वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं एवं नगरवासियों का मन मोह लिया।
अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद भी हुईं शामिल
नगर पंचायत छुरा की अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद भी कांवड़ यात्रा में श्रद्धापूर्वक शामिल हुईं। उन्होंने शिवभक्तों के साथ कदम से कदम मिलाकर यात्रा में सहभागिता की तथा विभिन्न शिवालयों में पूजा-अर्चना एवं

जलाभिषेक किया। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति, नगर की एकता एवं आपसी भाईचारे का यह आयोजन छुरा की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को और मजबूत करता है। उन्होंने भगवान भोलेश्वर से छुरा नगर में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उनकी सहभागिता से शिवभक्तों में उत्साह और बढ़ गया।
हर वर्ग की रही सहभागिता
कांवड़ यात्रा में नगर के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, व्यापारियों, महिला मंडलों, युवाओं, स्कूली बच्चों, मंदिरों के पुजारियों एवं महाराज सहित सभी वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

महिलाओं और युवाओं की भी बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। कांवड़ यात्रा ने छुरा नगर की सामाजिक एकता, धार्मिक आस्था और आपसी भाईचारे का सुंदर संदेश दिया। लगातार बारिश के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बना।
नगरवासियों ने बड़-चढ़कर किया सहयोग
यात्रा की सफलता में नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा। श्रद्धालुओं के लिए जल, प्रसाद एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं में लोगों ने स्वेच्छा से आगे आकर सहयोग किया। विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं ने लिए प्रसाद की व्यवस्था भी की गई।

रेजरपे ने लॉन्च किया भारत का पहला एआई-संचालित पेमेंट्स फाउंडेशन मॉडल ‘रेजरपे वल्कन’, डिजिटल ट्रांजैक्शन होगा अधिक सुरक्षित और प्रभावी



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। भारत की प्रमुख फिनटेक कंपनी रेजरपे ने देश की डिजिटल भुगतान व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और कुशल बनाने के उद्देश्य से एआई-संचालित पेमेंट्स फाउंडेशन मॉडल ‘रेजरपे वल्कन’ लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह भारत का पहला ट्रांसफॉर्मर-आधारित एआई फाउंडेशन मॉडल है, जिसे विशेष

रूप से पेमेट्स इकोसिस्टम के लिए विकसित किया गया है। रेजरपे ने बताया कि यह मॉडल एनवीडिया और अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) की तकनीक के सहयोग से तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य भुगतान विफलताओं, धोखाधड़ी, ट्रांजैक्शन रूटिंग और चेकआउट प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को कम करना है। भारत में तेजी से बढ़ती डिजिटल

अर्थव्यवस्था के बीच यह तकनीक ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की और अधिक विश्वसनीय, सुरक्षित और प्रभावी बनाने में मदद करेगी। कंपनी के मुताबिक, इस मॉडल को विकसित करने से पहले 15 लाख उपभोक्ताओं और 51,000 से अधिक व्यवसायों पर आधारित एक आंतरिक अध्ययन किया गया, जिसमें पाया गया कि भुगतान प्रक्रिया से जुड़ी समस्याएं केवल

महानगरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों के उपभोक्ता भी इन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस एआई मॉडल के शुरुआती चटकों को पहले ही रेजरपे के पेमेंट नेटवर्क पर मौजूद लगभग 3 ट्रिलियन डेटा पॉइंट्स पर लागू किया जा चुका है। इसका उपयोग वास्तविक समय में ट्रांजैक्शन रूटिंग, जोखिम मूल्यांकन और धोखाधड़ी की पहचान के लिए किया गया।

कंपनी का दावा है कि इस तकनीक की मदद से पेमेंट सक्सेस रेट में 10 प्रतिशत तक सुधार हुआ है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय कार्ड धोखाधड़ी की पहचान और रोकथाम की क्षमता 8 गुना तक बढ़ी है। इसके अलावा मॉडल ने बिना अतिरिक्त अलर्ट बढ़ाए पांच गुना अधिक संदिग्ध और विवादित ट्रांजैक्शन की पहचान की है। रेजरपे ने यह भी बताया कि उसके मैजिक चेकआउट प्लेटफॉर्म पर अब 40 प्रतिशत अधिक उपभोक्ताओं को उनकी पसंदीदा यूपीआई एप्लिकेशन दिखाई जा रही है, जिससे हर महीने अतिरिक्त 1 से 2 लाख खरीदारी ट्रांजैक्शन संभव हो रहे हैं।

रेजरपे के सह-संस्थापक और सीईओ हर्षिल माथुर ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उन उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना है जो अभी भी नकद भुगतान और डिजिटल भुगतान के बीच निर्णय लेने की स्थिति में हैं।

उनके अनुसार, अधिक विश्वसनीय और निर्बाध भुगतान अनुभव डिजिटल लेनदेन को तेजी से अपनाने में मदद करेगा।

एनवीडिया में ग्लोबल इंडस्ट्री बिजनेस डेवलपमेंट एंड पेमेंट्स के प्रमुख पहल पटांगिया ने कहा कि भारत की तेजी से विकसित हो रही डिजिटल अर्थव्यवस्था भुगतान प्रणालियों को अधिक बुद्धिमान, सुरक्षित और कुशल बनाने का बड़ा अवसर प्रदान कर रही है।

वहीं एडब्ल्यूएस इंडिया एवं दक्षिण एशिया के एफएसआई और कॉन्सलोमेरेट्स प्रमुख किरण जगनाथ ने कहा कि अमेजन सेजमेकर पर निर्मित यह एआई फाउंडेशन मॉडल अरबों ट्रांजैक्शन से प्राप्त जानकारीयों को एकीकृत कर एक ऐसा इंटीलेजेंट प्लेटफॉर्म तैयार करता है, जो लगातार सीखता रहता है और पारंपरिक मशीन लर्निंग मॉडलों की सीमाओं को पार करता है।

भारत में 2030 तक करीब 62 प्रतिशत लोगों के पास होगा 5जी कनेक्शन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में लगभग 2030 तक 62 प्रतिशत लोगों के पास 5जी कनेक्शन होने की उम्मीद है, यह एशिया प्रशांत क्षेत्र के औसत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

जीएसएमए की रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश, इंडोनेशिया और पाकिस्तान के साथ-साथ भारत को भी इस क्षेत्र के ‘अग्रणी देशों’ में गिना जाता है, जहां डिजिटल-इकोनॉमी की ग्रोथ को तेज करने और मोबाइल-इंडस्ट्री की स्थिरता को बनाए रखने के लिए रेगुलेटरी आधुनिकीकरण जरूरी है। भारत में कनेक्टिविटी की चुनौती अब कवरेज से हटकर

इस्तेमाल और अपनाने की ओर बढ़ रही है, क्योंकि दक्षिण एशिया में कवरेज का अंतर लगभग 30 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत से भी कम हो गया है।

इस वजह से मोबाइल इंटरनेट अपनाने में खर्च, डिवाइस तक पहुंच, डिजिटल स्किल्स, भरोसा और ऑनलाइन सुरक्षा मुख्य बाधाएं बन गई हैं।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि 2030 तक मोबाइल टेक्नोलॉजी और सेवाएं एशिया-प्रशांत की अर्थव्यवस्था में 1.4 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देंगी, जो आज के 1 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा है।

डिजिटल ग्रोथ का अगला दौर इस बात से तय होगा कि सरकारों,

ऑपरेटर और टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर चार अहम प्राथमिकताओं पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से बढ़ना, डिजिटल भरोसे में कमी, ज्यादा मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग और डिजिटल संप्रभुता में बढ़ती रुचि शामिल हैं।

रिपोर्ट में इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की कोशिशों के उदाहरण के तौर पर भारतनेट और पीएमजीडीआईएसएचए का जिक्र किया गया है। पीएमजीडीआईएसएचए ने 6.4 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण नागरिकों को बुनियादी डिजिटल स्किल्स की ट्रेनिंग दी है।

भारत के लिए डिजिटल भरोसा एक आर्थिक प्राथमिकता बनता जा रहा है। 2026 में इन्फॉर्मेशन-सिक्योरिटी पर खर्च में 11.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जो साइबर-सिक्योरिटी, पहचान, प्राइवसी और भरोसे से जुड़ी दूसरी सेवाओं की बढ़ती मांग को दिखाता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के ‘डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन रूल्स’ संवेदनशील डेटा को स्टोर करने, प्रोसेस करने और मैनेज करने के लिए भरोसेमंद माहौल बनाने की दिशा में योगदान दे रहे हैं। साथ ही, लोकल, ऑडिट-योग्य और सुरक्षित एआई वर्कलोड के लिए सर्विसेज क्लाउड एनवायरनमेंट में भी दिलचस्पी बढ़ रही है।

तनाव से राहत से लेकर एकाग्रता बढ़ाने तक, जानें रोज मेडिटेशन करने के फायदे

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी में लोगों के पास खुद के लिए समय काफी कम होता जा रहा है। काम का दबाव, घर की जिम्मेदारियां, भविष्य की चिंता और लगातार भागती दिनचर्या का असर मन पर भी पड़ता है। कई बार बिना किसी खास वजह के बेचैनी महसूस होने लगती है, छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आता है या किसी काम में मन लगाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कुछ मिनट खुद के लिए निकालना

काफी मददगार हो सकता है। इसी को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों को ध्यान (मेडिटेशन) को अपनी रोज की दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी है। आयुष मंत्रालय ने अपने एकस अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की। इसमें बताया गया है कि मेडिटेशन मन को शांत रखने और एकाग्रता बढ़ाने का आसान तरीका है।

मंत्रालय के मुताबिक, रोज कुछ समय मेडिटेशन करने से मन को

शांति मिलती है, सोच को स्थिर रखने में मदद मिलती है और व्यक्ति अपने आसपास और अपने विचारों के प्रति ज्यादा सजग रहता है। इसके नियमित अभ्यास से धीरे-धीरे मन को एक जगह टिकाने की क्षमता बेहतर होती है।

मेडिटेशन का सबसे पहला फायदा मन को शांत रखने में मिलता है। जब हम दिनभर काम करते हैं तो दिमाग में एक साथ कई बातें चलती रहती हैं। कभी काम की चिंता होती है तो कभी घर या



भविष्य को लेकर खयाल आते रहते हैं। मेडिटेशन के दौरान कुछ समय के लिए इन बातों को हटाकर सिर्फ अपनी सांसों पर ध्यान देने की कोशिश की जाती है। इससे दिमाग को थोड़ी देर आराम मिलता है और लगातार चल रहे विचारों को समझना कम होती है। जिससे मेडिटेशन करने के बाद मन हल्का और शांत महसूस होता है।

मेडिटेशन डर, गुस्सा, उदासी और चिंता जैसी नकारात्मक भावनाओं से दूरी बनाने में भी मदद

करता है। जब कोई व्यक्ति परेशान होता है तो वह उसी बात के बारे में बार-बार सोचता रहता है। मेडिटेशन के दौरान उसे धीरे-धीरे अपना ध्यान सांसों पर वापस लाने का अभ्यास करना होता है। रोज ऐसा करने से व्यक्ति अपने विचारों को समझना सीखता है। इससे किसी बात पर तुरंत गुस्सा करने या घबराने के बजाय शांत होकर सोचने की आदत बनती है। मेडिटेशन सकारात्मक सोच को बढ़ाने में भी मदद करता है। जब मन लगातार परेशान रहता है

तो हर चीज नकारात्मक लगने लगती है। मेडिटेशन व्यक्ति को कुछ समय के लिए इन बातों के साथ शांत बैठने का मौका देता है। इस दौरान वह अपने विचारों को समझने की कोशिश करता है। धीरे-धीरे इससे छोटी परेशानियों को लेकर ज्यादा सोचने की आदत कम होती है और मन को शांत रखने में मदद मिलती है। एकाग्रता बढ़ाने में भी मेडिटेशन उपयोगी होता है। मेडिटेशन करते समय व्यक्ति को बार-बार अपना ध्यान सांसों पर लगाना होता है।

चीन से बाहर पिक्सल उत्पादन शिफ्ट करने की तैयारी में गूगल, 2027 तक पूरी मैनुफैक्चरिंग हटाने की योजना: रिपोर्ट

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव तथा वैश्विक सफ्टवेयर चैन में विविधीकरण की रणनीति के तहत अमेरिकी टेक दिग्गज गूगल अपने पिक्सल स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और वायरलेस इयरबड्स के उत्पादन को चीन से बाहर स्थानांतरित करने की योजना पर काम कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का लक्ष्य 2027 तक पिक्सल उत्पादों का पूरा उत्पादन चीन से बाहर ले जाना है।

निकेई एशिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि गूगल ने पिछले कुछ वर्षों में वियतनाम और भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार किया है और अब उसे भरोसा है कि वह 2027 तक पिक्सल डिवाइसों का संपूर्ण उत्पादन चीन से बाहर स्थानांतरित कर सकती है।

हालांकि वर्तमान में गूगल के उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अब भी चीन में होता है, लेकिन कंपनी ने इस वर्ष वियतनाम में अपने प्रीमियम पिक्सल स्मार्टफोनों के सफल विकास और उत्पादन के



बाद अगला कदम उठाने की तैयारी शुरू कर दी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाई-एंड स्मार्टफोन का निर्माण स्मार्टवॉच और वायरलेस इयरबड्स की तुलना में अधिक जटिल होता है, इसलिए पिक्सल स्मार्टफोनों का सफल उत्पादन स्थानांतरण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

यदि यह रणनीति सफल रहती है, तो सैमसंग के बाद गूगल दुनिया की दूसरी बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन जाएगी, जिसने अपने स्मार्टफोन उत्पादन को पूरी तरह चीन से बाहर स्थानांतरित कर दिया हो।

रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के लिए यह बदलाव अपेक्षाकृत आसान हो सकता है क्योंकि कंपनी चीन में पिक्सल स्मार्टफोन नहीं बेचती। ऐसे में उसे स्थानीय उत्पादन बनाए रखने की उतनी आवश्यकता नहीं है जितनी कुछ अन्य वैश्विक ब्रांडों को होती है।

इस बीच कंपनी पिक्सल स्मार्टफोनों की बिक्री बढ़ाने पर भी जोर दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गूगल ने अपने आपूर्तिकर्ताओं को संकेत दिया है कि वह इस वर्ष पिक्सल की शिपमेंट में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि का लक्ष्य रखती

है। पिछले वर्ष कंपनी ने लगभग 1.2 करोड़ पिक्सल डिवाइस की शिपमेंट की थी।

विश्लेषकों का मानना है कि गूगल पिक्सल स्मार्टफोन को केवल एक हाईवेंचर उत्पाद नहीं, बल्कि अपने जैमिनी एआई इकोसिस्टम के विस्तार का माध्यम मानती है। कंपनी का विश्वास है कि अधिक पिक्सल उपयोगकर्ता सीधे तौर पर उसके एआई उत्पादों और सेवाओं के उपयोग को बढ़ावा देंगे। इसी वजह से वह बढ़ती कंपोनेंट लागतों, विशेषकर मेमोरी चिप की ऊंची कीमतों, के बावजूद उत्पादन और बिक्री बढ़ाना चाहती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बेहतर शिपमेंट वॉल्यूम गूगल को मेमोरी चिप आपूर्तिकर्ताओं के साथ मूल्य वार्ता में अधिक ताकत प्रदान कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से कंपनी अपने क्लाउड कंप्यूटिंग कारीबार और स्मार्टफोन व्यवसाय के लिए आवश्यक चिप ऑर्डरों को एक साथ जोड़कर माइक्रोन, सैमसंग और एसके हाइनिक्स जैसे निर्माताओं के साथ बातचीत कर रही है।

उष्ट्रासन: रीढ़ को लचीला बनाए, पेट की चर्बी घटाए और आंखों की रोशनी बढ़ाए



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ मन और आत्मा को जोड़ने की एक प्राचीन कला है। योग की इहॉई परंपराओं में से एक मध्यवर्ती पीछे झुकने वाला योग उष्ट्रासन है, जिसके अभ्यास से कई शारीरिक समस्याओं, एकाग्रता और

मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।

‘उष्ट्र’ एक संस्कृत भाषा का शब्द है और इसका अर्थ ‘ऊंट’ होता है। उष्ट्रासन को अंग्रेजी में ‘केमिल पोज’ कहा जाता है। उष्ट्रासन एक मध्यवर्ती पीछे झुकने वाला योग आसन है जो अनाहत (हृदय चक्र) को खोलता है। इस आसन से शरीर

में लचीलापन आता है, शरीर को ताकत मिलती है तथा पाचन शक्ति बढ़ जाती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने ऊष्ट्रासन को एक ऐसा योगासन बताया है, जो न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहतर है। यह योगासन आंखों की रोशनी बढ़ाने, पीठ और गर्दन के दर्द से राहत देने के साथ-साथ पेट की चर्बी कम करने और पाचन तंत्र को मजबूत करने में मददगार है। ऊष्ट्रासन रीढ़ को लचीला बनाता है और हृदय-श्वसन स्वास्थ्य को बेहतर करता है।

मंत्रालय ऊष्ट्रासन के अभ्यास का सही तरीका भी बताता है। इसके लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें या घुटनों पर खड़े हों, पैरों

को कूल्हों की चौड़ाई के बराबर रखें। धीरे-धीरे पीछे की ओर झुकें और अपने हाथों से एड़ियों को पकड़ें। फिर को पीछे की ओर झुकाएं और छतरी को ऊपर की ओर लाएं। इस स्थिति में 20-30 सेकंड तक रहें और सामान्य रूप से सांस लेते रहें। इसके बाद धीरे-धीरे शुरुआती स्थिति में वापस आएँ और विश्राम करें।

इसके अभ्यास से शरीर में ऊर्जा और लचीलापन आता है। हालांकि, इसे सही तरीके से और सावधानी के साथ करना जरूरी है। जड़ों गंभीर पीठ दर्द, हर्निया, हाई या लो ब्लड प्रेशर की समस्या है या हाल में सर्जरी हुई हो, उन्हें यह आसन

का सलाह नहीं दी जाती है। इसके लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें या घुटनों पर खड़े हों, पैरों

केला खाने का सही समय कौन सा? सुबह, खाली पेट या रात, जानिए क्या कहता है विज्ञान

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बहुत से लोग केले को नाश्ते, वर्कआउट से पहले या बाद में और कभी-कभी रात की हल्की भूख के समय भी खा लेते हैं। इसको लेकर सोशल मीडिया में कई तरह की धारणाएं मौजूद हैं। कोई इसे सुबह खाली पेट खाने की सलाह देता है तो कोई रात में केला खाने को नुकसानदायक बताता है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो केले को खाने का कोई एक समय नहीं है। केला एक आम फल है, जो कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, पोटेशियम और विटामिन बी6 जैसे पोषक तत्वों से भरपूर है। इसे आप अपनी सहूलियत और शरीर की जरूरत के हिसाब से खा सकते हैं। अमेरिकी नेशनल इंस्टीट्यूट्स ऑफ हेल्थ के अनुसार, एक केले में करीब 422 मिलीग्राम पोटेशियम



और 0.4 मिलीग्राम विटामिन बी6 होता है। पोटेशियम नसों और मांसपेशियों के काम और शरीर में पानी के संतुलन के लिए जरूरी है, जबकि विटामिन बी6 प्रोटीन के मध्यवर्ती पीछे झुकने वाला योग प्रक्रियाओं में मदद करता है। केले में कार्बोहाइड्रेट भी अच्छी मात्रा में

होता है। इसी वजह से जिम जाने वाले और खिलाड़ी इसे स्नैक के तौर पर खाना पसंद करते हैं। इससे तुरंत ऊर्जा मिलती है, लेकिन सिर्फ केला खाने से शरीर की सभी पोषक जरूरतें पूरी नहीं होंगी। इसे संतुलित भोजन का एक हिस्सा मानना बेहतर है। अगर खाली पेट केला खाना

सही है या गलत, तो अगर किसी को सुबह केला खाने से कोई परेशानी नहीं होती, तो इसे नाश्ते में शामिल किया जा सकता है। वहीं जिन लोगों को खाली पेट फल खाने के बाद पेट फूलने या भारीपन जैसी समस्या महसूस होती है, वे ब्रेड, ओट्स या दही के साथ ले सकते हैं। केला-दूध का शेक या स्मूदी बहुत आम है। केला कार्बोहाइड्रेट देता है, जबकि दूध प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व उपलब्ध कराता है। अगर किसी व्यक्ति को दूध और केला दोनों आसानी से पचते हैं तो यह कॉम्बिनेशन सामान्य डाइट के हिस्सा हो सकता है। समस्या तब आती है जब किसी को लैक्टोज से दिक्कत होती है। ऐसे में गैस या पेट फूलने की शिकायत हो सकती है लेकिन इसका इस स्थिति को सिर्फ केले से जोड़ना सही नहीं होगा।

उन्नति हुड्डा की जीत से शानदार आगाज

विश्व चैंपियनशिप के डेब्यू मैच में थुजार को सीधे गेम में हराया

एजेंसी ■ नई दिल्ली। भारतीय शटलर उन्नति हुड्डा ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेम में हराकर अपने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू किया। अगले राउंड में उन्नति का सामना कनाडा की 13वीं सीड मिशेल ली से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की पी. चिउ को 22-20, 21-12 से हराया।

मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए कड़े मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का उतार-चढ़ाव जारी रहा, लेकिन कोई भी खिलाड़ी मजबूत बढ़त नहीं कर सका। 21 मिनट तक चली जबरदस्त रैलियों के बाद, हुड्डा ने पहला गेम 22-20 से अपने नाम किया।

कोर्ट बदलने के तुरंत बाद अपनी लय बदलते हुए, हुड्डा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच पर पूरी पकड़ बना ली और 11-1 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन भारतीय शटलर ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और आखिरी प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

इससे पहले, मिक्सड डबल्स में रोहन कपूर/ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को कनाडा की जोनाथन लाई/क्रिस्टल लाई की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा।



दिन में बाद में, स्टार शटलर लक्ष्य सेन का सामना ऑस्ट्रिया के कार्लिन्स फिलिमोन से पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड के मैच में होगा। वहीं, अशित सूर्या और अमृता प्रमोदेश का मुकाबला तुर्की

के एमरे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास से होगा। विमेंस डबल्स के दूसरे राउंड में, ट्रीसा जॉली/गायत्री गोपीचंद का सामना अमेरिका की लॉरेन लैम/एलिसन ली से होगा। कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंधी की

जोड़ी का मुकाबला बुल्गारिया की स्टेफनी स्टीएवा/गैब्रिएला स्टीएवा की जोड़ी से होगा। पहले दिन, एशियन चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सबसे बड़ा

उलटफेर किया। उन्होंने दबाव में भी संयम बनाए रखते हुए पहले राउंड में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन शी युकी को हरा दिया। युकी पर आयुष की जीत वर्ल्ड चैंपियनशिप के इतिहास में पहले राउंड के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक है, क्योंकि चीनी खिलाड़ी टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में बाहर होने वाले पहले डिफेंडिंग मेंस सिंगल्स चैंपियन बन गए हैं।

मेंस डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को 21-16, 6-4 (रिटायर्ड) से हराकर भारत के अभियान की शुरुआत की। इसके बाद, विमेंस डबल्स के शुरुआती राउंड में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज को 21-9, 21-13 से आसानी से हरा दिया।

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु ने आयरलैंड की सोफिया नोबल को 21-7, 21-11 से हराकर अपना शुरुआती विमेंस सिंगल्स मैच आसानी से जीत लिया। आखिर में, कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंधी की विमेंस डबल्स जोड़ी ने निकोल कारुला/कारमेन मारिया जिमेनेज के खिलाफ 22-20, 21-14 से जीत के साथ दिन का समापन किया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा

तेजस्विन शंकर और दिव्या देशमुख सहित 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार



विश्व केसरी ■ नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्रालय ने मंगलवार को राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 की घोषणा की। अलग-अलग क्षेत्र के 17 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया है। वहीं, 3 प्रशिक्षकों को द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चुना गया है।

भारत के उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर, सरकार ने अलग-अलग श्रेणी में खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को अवॉर्ड देने का फैसला किया है। अर्जुन पुरस्कार 2025 के लिए तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स), मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स), ट्रीसा

जॉली (बैडमिंटन), पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन), नरेंद्र (बॉक्सिंग), विदित संतोष गुजराती (शतरंज), दिव्या जितेंद्र देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग), लालरेमसियामी (हॉकी), राजकुमार पाल (हॉकी), सुरजीत (कबड्डी), पूजा (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग), एकता भ्यान (पैरा एथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (शूटिंग) का नाम चुना गया है।

‘अर्जुन पुरस्कार’ खेल के क्षेत्र में पिछले चार वर्षों में अच्छे प्रदर्शन और नेतृत्व, खेल-भावना और अनुशासन की भावना दिखाने वाले एथलीटों को दिया जाता है। अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम) 2025, आई अरुमनायगम (फुटबॉल) को दिया गया है। यह

पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मान देने और प्रेरित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने खेल के क्षेत्र में योगदान दिया है और खेल से संन्यास के बाद किसी न किसी रूप में जुड़कर उसे बढ़ावा देने में योगदान देते रहते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड 2025, परवीर सिंह (एथलेटिक्स), छोटे लाल यादव (बॉक्सिंग), और नेहा नंदकुमार चव्हाण (शूटिंग) को दिया गया है। द्रोणाचार्य अवॉर्ड उन प्रशिक्षकों (कोचों) को दिया जाता है जो लगातार बेहतरीन और काबिलियत भरा काम करते हैं और खिलाड़ियों को इंटरनेशनल इवेंट्स में बेहतर करने में मदद करते हैं। द्रोणाचार्य अवॉर्ड (लाइफटाइम) 2025 के लिए धर्मेन्द्र सिंह यादव (बॉक्सिंग) और वीरेंद्र कुमार (कुश्ती) का नाम निश्चित किया गया है।

20 साल के जैकोबो ऑर्टेंगा से रियल मैड्रिड को हुआ रिकॉर्ड वित्तीय लाभ



विश्व केसरी ■ मैड्रिड। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड का यूथ सिस्टम उसे वित्तीय रूप से लाभ पहुंचा रहा है। 19 साल के सी-टीम खिलाड़ी जैकोबो ऑर्टेंगा आरसी स्ट्रासबर्ग के साथ सोमवार को रिकॉर्ड कीमत में जुड़े। इससे रियल मैड्रिड को बड़ा फायदा हुआ है।

पिछले सीजन यूथ लीग में रियल मैड्रिड के लिए टॉप स्कोरर रहे ऑर्टेंगा पर स्ट्रासबर्ग ने 10 मिलियन यूरो (करीब 11.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च किए हैं। इस डील के बाद ऑर्टेंगा रियल मैड्रिड के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी के लिए सबसे महंगी सेल बन गए हैं जो कभी उनकी फर्स्ट टीम में नहीं खेला। रियल मैड्रिड की वेबसाइट के मुताबिक, ‘रियल मैड्रिड सीएफ

और आरसी स्ट्रासबर्ग अलसेस हमारे प्लेयर जैकोबो ऑर्टेंगा के ट्रांसफर के लिए सहमत हो गए हैं। वह 2018 में 12 साल की उम्र में रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे और आठ सीजन से हमारी यूथ एकेडमी का हिस्सा रहे हैं।’ शिन्हुआ के मुताबिक, ‘ऑर्टेंगा ने स्ट्रासबर्ग के साथ पांच साल के अनुबंध पर साइन किया है। इस क्लब के ओनर (ब्लूको) प्रीमियर लीग टीम चेलसी के ही हैं।’ इस गमी में रियल मैड्रिड के लिए दूसरे यूथ टीम खिलाड़ियों ने आय अर्जित किया है। गॉजालो गार्सिया और सीजर पालासियोस ने लगभग 50 मिलियन यूरो कमाए, जबकि क्लब ने विक्टर मुनोज के ओसासुना से लिबरपूल में मूव करने से सेल-ऑन राइट्स में लगभग 20 मिलियन यूरो भी कमाए।

भगवान वेंकटेश्वर का दर्शन करने पहुंचे क्रिकेटर तिलक वर्मा

विश्व केसरी ■ तिरुमाला। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मंगलवार की सुबह आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की।

तिलक ने तिरुमाला मंदिर में सुप्रभात सेवा में हिस्सा लिया और पूरे विधि-विधान के साथ भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। तिलक इस दौरान पूरी तरह पारंपरिक परिधान में थे।

भारतीय क्रिकेटर ने मंदिर में उपस्थित अन्य श्रद्धालुओं का अभिवादन किया और भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के बाद फैंस के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

तिलक वर्मा फिलहाल क्रिकेट से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। भारतीय टी20 टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा में हाल में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज का हिस्सा थे।

बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज को भारतीय मध्यक्रम का भविष्य माना जाता है। स्थिति के अनुकूल अपनी बल्लेबाजी क्षमता के कारण वह टीम के लिए



बेहद अहम होते जा रहे हैं। 23 साल के तिलक ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के साथ दमदार प्रदर्शन के बाद 2023 में 3 अर्सेस को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था। 15 सितंबर 2023 को उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था।

अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पाकिस्तान के खिलाफ

फाइनल में एक यादगार पारी खेलते हुए भारत को एशिया कप 2025 का चैंपियन बनाने वाले तिलक को टी20 में अब तक पर्याप्त मौके मिले हैं और उन्होंने अपने प्रदर्शन से इसे भुनाया भी है। तिलक 59 टी20 मैचों की 56 पारियों में 9 अर्धशतक और 2 शतक की मदद से 1,645 रन बनाए हैं। उनका

सर्वाधिक स्कोर नाबाद 120 रन है।

वर्मा का स्ट्राइक रेट 145.18 है। वहीं, 5 वनडे मैचों की 4 पारियों में 1 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 68 रन बनाए हैं। टेस्ट डेब्यू का उन्हें इंतजार है।

अफगानिस्तान, वेस्टइंडीज सीरीज और एशियन गेम्स में तिलक वर्मा के प्रदर्शन पर भारतीय टीम मैनेजमेंट और फैंस की नजर रहने वाली है।

सिनसिनाटी ओपन : अलेक्जेंडर ज्वेरेव और राफेल जोडर ने अंतिम 16 में बनाई

विश्व केसरी ■ सिनसिनाटी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने टेरेंस अतमाने को 7-6 (4), 7-6 (8) से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई।

जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 6/4 पर दो मैच पॉइंट बनाए। अतमाने ने पहला ऐस आउट वाइड से मिटा दिया, और ज्वेरेव ने दूसरे पर डबल फॉल्ट करके टाई-ब्रेक को 6/6 पर बराबर कर दिया। 29 साल के ज्वेरेव ने खुद को संभाला, अगले दो पॉइंट लेकर दो घंटे और नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत पक्की कर ली।

इस बीच, 19 साल के राफेल जोडर ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में एलेजांद्रो टैबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई, और अपने शानदार 2026 सीजन को जारी रखा। जोडर इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के साथ शामिल हो गए। स्पेन के जोडर को लेहेका ने उसे रोककर तीसरा सेट जीत लिया। 6-3 से हराया। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में फिल्स के पास 7/6 का मैच पॉइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे रोककर तीसरा सेट जीत लिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने दो घंटे और एक मिनट में जीत पक्की कर ली। फिल्स का अगला मुकाबला पांचवीं सीड एलेक्स डी मिनीर से होगा।



भारतीय हॉकी के विकास में झारखंड अहम भूमिका निभा रहा, भविष्य और बेहतर

विश्व केसरी ■ रांची। झारखंड भारतीय महिला हॉकी के लिए ‘हार्ट लैंड’ बनकर उभरा है। राज्य की खिलाड़ी अपने बेहतरीन खेल की बदौलत राष्ट्रीय टीम में न सिर्फ जगह बना रही हैं, बल्कि देश में हॉकी के समृद्ध इतिहास को भी आगे बढ़ा रही हैं। इसका उदाहरण भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेते हैं।

एकतरफ भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस समय नीदरलैंड और बेल्जियम में आयोजित हॉकी विश्व कप में हिस्सा ले रही है। वहीं, झारखंड के तीन जिले – सिमडेगा, खूंटी और गुमला – चुपचाप हॉकी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

भारतीय महिला हॉकी में झारखंड का अहम योगदान रहा है। इसमें वहां के खिलाड़ियों के बीच हॉकी को लेकर पैशन और सरकारी



सहायता स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के प्रतिभा विकास कार्यक्रम शामिल हैं। पूरे राज्य में 5,000 से ज्यादा लड़के और लड़कियां आवासीय और गैर-आवासीय कार्यक्रमों के जरिए ट्रेनिंग ले रहे हैं। झारखंड भारत की सबसे ज्यादा उत्पादक हॉकी नर्सरी में से एक के तौर पर अपनी पहचान बना

रहा है।

झारखंड का हॉकी से रिश्ता 20वीं सदी के शुरुआती दशकों से है। कई आदिवासी समुदायों के लिए, यह खेल सिर्फ मनोरंजन से कहीं ज्यादा बन गया और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया। राज्य की हॉकी विरासत की जड़ें 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक्स में

भारत की ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान जयपाल सिंह मुंडा से जुड़ी हैं। उनकी कामयाबी ने छोटीनागपुर पठार के युवाओं की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। दशकों से, उस विरासत को माइकल किंडो, सिल्वेनस डुंगा डुंगा, मनोहर टोपनो, अजीत लाकड़ा, बिमल लाकड़ा, बीरेंद्र लाकड़ा, असुता लाकड़ा, और सुरमाय टेते, जो भारत के पूर्व कप्तान, कामनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट और ध्यानचंद अवॉर्ड विजेता हैं, जैसे आइकॉन ने आगे बढ़ाया।

साई मीडिया से बातचीत के दौरान जगन टोपनो ने कहा, ‘झारखंड के तीन जिलों – खूंटी, सिमडेगा और गुमला – के हर घर में हर बच्चा हॉकी खेलता है। सुबह-शाम, आपको पूरे झारखंड में खेतों में गांव के बच्चे हॉकी खेलते हुए मिल जाएंगे।’

गाले टेस्ट : दिनेश चांदीमल चोटिल, स्कैन के लिए भेजा गया अस्पताल

विश्व केसरी ■ गाले। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन बड़ा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। चांदीमल को कंधे और गर्दन में चोट लगी है। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

मंगलवार को पहले सेशन में फील्डिंग करते समय बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय चांदीमल के दाहिने कंधे और गर्दन में चोट लग गई।

श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, ‘टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सकों ने ग्राउंड पर उनकी जांच की और उन्हें एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है। स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनकी इंजरी का अपडेट दिया जाएगा।’



केएल राहुल के डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ से लगाए स्वीप को रोकने के लिए चांदीमल आगे बढ़े। उन्होंने गेंद को रोक दिया, लेकिन खुद को चोटिल कर

बैठे। वे पूरी तरह से गिर गए, और उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया। उन्हें अपनी गर्दन का पिछला हिस्सा पकड़े हुए देखा गया। फिजियो देखने आए,

फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। चांदीमल श्रीलंका के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं। पहली पारी में वह महज 4 रन बना सके थे, लेकिन मैच की परिस्थितियों को देखते हुए दूसरी पारी में वह बेहद अहम हो सकते हैं। श्रीलंका चाहगी कि उनकी इंजरी ज्यादा गंभीर न हो।

मैच की बात करें तो भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए देवदत्त पंडिकल के 167 और केएल राहुल के 82 रन की बदौलत पहली पारी में 462 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमट गई और भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 178 रन से पिछड़ रही है। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में रिपोर्ट लिखे जाने तक 27.3 ओवर में 4 विकेट पर 111 रन बना लिए थे।